दैनिक
स्वर्णिम प्रदेश
PRN: MCN/329/2025-2027
http://www.swarnimpradesh.in
http://epaper. swarnimpradesh.in
Email- swarnimpradesh@yahoo.com
संरक्षकः मां वैष्णों देवी
* वर्षः 08 * अंक : 08 * मुंबई, मंगलवार, 10 जून 2025 * पेजः 6 * मूल्यः 2 रुपये * संपादकः सुनील कुमार तिवारी

विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें
अगर आप अपने विशेष अवसरों को खास बनाना चाहते हैं या महत्वपूर्ण सूचनाओं को व्यापक जनता तक पहुँचाना चाहते हैं, तो दैनिक स्वर्णिम प्रदेश आपके लिए सही मंच है। चाहे जन्मदिन की बधाई हो, शादी की सालगिरह, गुमशुदगी की सूचना, कानूनी नोटिस या कोई अन्य व्यक्तिगत और व्यावसायिक विज्ञापन, हम आपके संदेश को सही तरीके से पहुंचाने में मदद करेंगे। आपके विज्ञापन से समाचार पत्र को आर्थिक सहायता प्राप्त होगी, जो इसे और बेहतर सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगी।
संपर्कः ईमेलःswarnimpradesh@yahoo.com
या वाट्सऐप नं. 8898271111

मोदी सरकार के 11 साल पर खड़गे का तंज
तानाशाही की स्याही से रंग दिया संविधान के हर पन्ने

संवाददाता

नई दिल्ली। मोदी सरकार के ११ वर्षों के कार्यकाल को लेकर कांग्रेस ने सोमवार को तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि इस अवधि में भारतीय लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने को गहरा आघात पहुँचा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए कहा कि इन वर्षों में संविधान के हर पन्ने पर तानाशाही की स्याही पोती गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी और आरएसएस ने हर संवैधानिक संस्था की स्वायत्तता को कमजोर कर लोकतांत्रिक ढांचे को चोट पहुंचाई है। जनमत चुराकर राज्यों में पिछला दरवाज़ा अपनाकर सरकारें गिराने, राज्यों के अधिकारों की अनदेखी करने और संघीय ढांचे को कमजोर करने जैसे कड़े आरोप लगाए गए।

खड़गे ने लिखा कि मोदी सरकार ने देश में नफ़रत, धमकी और डर का माहौल बनाया है, जहां दलित, आदिवासी, पिछड़े, अल्पसंख्यक और कमजोर वर्गों का लगातार शोषण किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरक्षण और समान अधिकारों से वंचित रखने की योजनाएं चलाई जा रही हैं। मणिपुर की ना थमने वाली हिंसा को भाजपा की प्रशासनिक विफलता बताते हुए उन्होंने इसे सरकार की संवेदनहीनता का प्रमाण कहा। आर्थिक मोर्चे पर खड़गे ने दावा किया कि बीजेपी-आरएसएस शासन ने जीडीपी विकास दर को ५-६% पर रोक दिया है, जबकि यूपीए के समय यह औसतन ८% हुआ करती थी। उन्होंने कहा कि सरकार ने सालाना २ करोड़ नौकरियों का वादा किया था, लेकिन उल्टे करोड़ों रोजगार छीन लिए। महंगाई ने आमजन की बचत को ५० वर्षों के सबसे निचले स्तर पर ला दिया है और आर्थिक असमानता १०० वर्षों में सबसे अधिक हो गई है।

उन्होंने नोटबंदी, गलत जीएसटी लागू करने, असंगठित क्षेत्र को नुकसान पहुंचाने और लॉकडाउन को बिना योजना के लागू करने को आर्थिक तबाही की जड़ बताया। खड़गे ने मोदी सरकार की योजनाओं जैसे मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, नमामि गंगे, १०० स्मार्ट सिटीज को विफल बताते हुए कहा कि सरकार ने केवल कांग्रेस-यूपीए द्वारा बनाए गए इंफ्रास्ट्रक्चर का फीता काटने का (शेष पेज २ पर)

मुंबई लोकल ट्रेन हादसे पर राज ठाकरे का तीखा प्रहार
कहा- हर दिन हो रही मौतें, लेकिन सरकारें बेपरवाह

संवाददाता

मुंबई। ठाणे में हुए लोकल ट्रेन हादसे में चार यात्रियों की मौत की पुष्टि के बाद राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। जहां विपक्ष ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और सत्तारूढ़ दल को कटघरे में खड़ा किया है, वहीं महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने भी इस दुखद घटना को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए सरकार की योजनाओं पर कड़ी आलोचना की।

'हर दिन हो रही हैं ऐसी घटनाएं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं'

संवाददाताओं से बातचीत में राज ठाकरे ने कहा, 'ठाणे में जो रेल दुर्घटना हुई, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। लेकिन इससे भी ज्यादा अफसोसनाक यह है कि ऐसी घटनाएं रोज होती हैं, और किसी को फर्क नहीं पड़ता। कई लोग घायल होते हैं, मरते हैं, लेकिन सरकारें आंखें मूंदे बैठी हैं।

रेलवे के लिए अलग निगम की मांग फिर दोहराई

राज ठाकरे ने कहा कि मुंबई रेलवे की भयावह स्थिति को देखते हुए पिछले कई वर्षों से अलग रेलवे निगम की मांग की जा रही है। 'हमने भी यह मांग की थी, लेकिन आज तक किसी सरकार ने इस पर अमल नहीं किया,' उन्होंने कहा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मुंबई जैसे महानगर की (शेष पेज २ पर)

नक्सली हमले में नागपुर के एएसपी आकाश राव गिरीपुंजे शहीद

संवाददाता

गड़चिरोली। माओवाद प्रभावित छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में रविवार को पुलिस बल पर किए गए नक्सली हमले में महाराष्ट्र के नागपुर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और कोंटा क्षेत्र के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) आकाश राव गिरीपुंजे (४६) वीरगति को प्राप्त हुए। यह हमला उस समय हुआ जब सुरक्षाबलों की टीम कोंटा-एर्राबोर मार्ग पर गश्त कर रही थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नक्सलियों ने डोंड्रा गांव के पास सड़क के नीचे शक्तिशाली विस्फोटक छिपा रखा था। जैसे ही पुलिस बल उस इलाके में पहुंचा, नक्सलियों ने घात लगाकर विस्फोट कर दिया। विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि एएसपी गिरीपुंजे को बचाने का कोई अवसर नहीं मिला। वे स्वयं अग्रिम पंक्ति में चलकर ऑपरेशन का नेतृत्व कर रहे थे। हमले में अन्य कुछ जवान भी घायल हुए हैं, जिनका उपचार जारी है। शहीद अधिकारी गिरीपुंजे को उनके साथी एक कर्मठ, सादगीपूर्ण और साहसी अधिकारी के रूप में याद कर रहे हैं। वे हमेशा कहा करते थे, 'मैं सबसे आगे चलता हूँ, तुम पीछे मत हटना।' आज वही अधिकारी अपने साथियों को पीछे छोड़ गए। उनके बलिदान को पुलिस विभाग में अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। गौरतलब हो कि यह हमला माओवादियों द्वारा घोषित १० जून के भारत बंद से एक दिन पूर्व किया गया है। २१ मई को छत्तीसगढ़ के अबुझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने एक बड़ी मुठभेड़ में माओवादी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बसवराज सहित २७ माओवादियों को मार गिराया था। इसे माओवादी संगठन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। इसके विरोध में माओवादियों की केंद्रीय समिति के प्रवक्ता 'अभय' ने बयान जारी करते हुए १० जून को भारत बंद और ११ जून से ३ अगस्त तक श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित करने की घोषणा की है। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि नक्सलियों की यह कार्रवाई (शेष पेज २ पर)

प्राकृतिक जल निकायों में पीओपी मूर्तियों के विसर्जन की अनुमति नहीं: बॉम्बे हाईकोर्ट

संवाददाता

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को स्पष्ट किया कि वह प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) से बनी मूर्तियों को किसी भी प्राकृतिक जल निकाय—जैसे समुद्र, झील या नदी—में विसर्जित करने की अनुमति नहीं देगा।

हालांकि, अदालत ने अपने जनवरी २०२४ के आदेश को आंशिक रूप से संशोधित करते हुए पीओपी मूर्तियों के निर्माण और बिक्री पर लगाया गया पूर्ण प्रतिबंध हटा दिया है। मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति संदीप मार्ने की खंडपीठ एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के वर्ष २०२० के उन दिशानिर्देशों को लागू करने की मांग की गई थी, जो पीओपी मूर्तियों के प्राकृतिक जल स्रोतों में विसर्जन को रोकते हैं। पीठ ने स्पष्ट किया, हम आश्वस्त हैं कि किसी भी पीओपी मूर्ति को प्राकृतिक जल निकाय में विसर्जित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। कृत्रिम जलाशयों का निर्माण किया जा सकता है, जहां इन मूर्तियों का विसर्जन किया जाए। सीपीसीबी द्वारा दाखिल हलफनामे में कहा गया था कि उसके दिशानिर्देश 'प्रकृति में सलाहात्मक' हैं और कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं हैं। इस पर न्यायाल य ने टिप्पणी करते हुए कहा, यह अपने ही अधिकार को कमजोर करने का एक क्लासिक उदाहरण है। अदालत कह रही है कि आपके पास शक्ति है, आप कह रहे हैं कि नहीं। हालांकि कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि पीओपी मूर्तियों के निर्माण पर प्रतिबंध नहीं है और कारीगर इन्हें बना सकते हैं, परंतु उनका विसर्जन प्राकृतिक जल निकायों में नहीं किया जा सकता।

कारीगरों और मंडलों की आपत्तियाँ

मूर्तिकारों और मूर्ति विक्रेताओं की ओर से प्रतिबंध हटाने की मांग की गई थी, यह तर्क (शेष पेज २ पर)

देश चौथी इकोनॉमी बन गया, लेकिन ट्रेनों की हालत जानवरों से भी बदतर: अबू आजमी

संवाददाता

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे में सोमवार को हुए लोकल ट्रेन हादसे में यात्रियों की मौत पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक अबू आसिम आजमी ने गहरा शोक जताते हुए इसे बेहद अफसोसजनक करार दिया। उन्होंने कहा कि आज भारत की अर्थव्यवस्था भले ही दुनिया में चौथे स्थान पर पहुंच गई हो, लेकिन देश की रेलवे व्यवस्था बेहद खस्ताहाल है। उन्होंने कहा, 'हमारा देश बहुत विशाल है और काफी विकास कर रहा है। लेकिन ट्रेनों की हालत यह है कि लोग डिब्बों के ऊपर बैठकर यात्रा करते हैं, खासकर लोकल ट्रेनों की हालत इतनी खराब है कि आदमी को यह नहीं पता होता कि वह चढ़ पाएगा या नहीं, और चढ़ गया तो उतर भी पाएगा या नहीं। दादर में उतरने वाला चर्चगेट या कोलाबा पहुंच जाता है। अबू आजमी ने बजरंग दल और आरएसएस पर भी तीखा हमला करते हुए कहा, 'ये संगठन सड़कों पर ट्रक रोककर पूछते हैं कि उसमें कितनी भैंस जा रही हैं। अगर एक ज्यादा हो गई तो फाइन लगाओ। लेकिन जब ट्रेन में इंसान जानवरों से भी बदतर हालात में सफर करते हैं (शेष पेज २ पर)

कोंकण क्षेत्र में बंदरगाह विकास को मिलेगी गतिः मंत्री नितेश राणे

संवाददाता

मुंबई। करंजा, आनंदवाड़ी, मिरकरवाड़ा और ससून डॉक जैसे महत्वपूर्ण बंदरगाह कोंकण क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं और इन परियोजनाओं को गति और पारदर्शिता के साथ पूरा किया जाना चाहिए, ऐसा मत्स्य पालन और बंदरगाह मंत्री नितेश राणे ने कहा।

मंत्रालय में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने यह निर्देश दिए। इस बैठक में विभाग के आयुक्त किशोर तावड़े, महाराष्ट्र मत्स्य विकास निगम के प्रबंध निदेशक अविनाश पाठक, उप सचिव श्री जाकाटे, संयुक्त आयुक्त दिनेश देवरे, क्षेत्रीय उपायुक्त प्रकाश भादुले समेत संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री राणे ने ससून डॉक (मुंबई), करंजा (उरण-रायगढ़), आनंदवाड़ी (सिंधुदुर्ग) और मिरकरवाड़ा (रत्नागिरी) बंदरगाहों पर जारी विकास कार्यों की समीक्षा की। इन बंदरगाहों पर (शेष पेज २ पर)

बच्चू कडू की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल दूसरे दिन भी रही जारी, आंदोलन को मिल रहा जनसमर्थन

संवाददाता

अमरावती। किसानों की समस्याओं को लेकर प्रहार जनशक्ति पार्टी के संस्थापक और पूर्व विधायक बच्चू कडू द्वारा अमरावती जिले के गुरूकुंज मोझरी में शुरू की गई अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल सोमवार को दूसरे दिन भी जारी रही। आंदोलन स्थल पर किसानों, दिव्यांग नागरिकों और पार्टी कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ देखी गई, जिससे आंदोलन को राज्यभर से जनसमर्थन मिल ने लगा है। बच्चू कडू ने स्पष्ट किया है कि जब तक किसानों की सभी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक वह यह आंदोलन नहीं छोड़ेंगे। राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज की समाधि के समीप भूख हड़ताल कर रहे कडू की सोमवार को चिकित्सकीय जांच की गई। डॉक्टरों की टीम ने उनकी स्वास्थ्य स्थिति की समीक्षा की, जबकि समर्थकों के चेहरों पर उत्साह और चिंता दोनों साफ नजर आए।

रोहित पवार का नैतिक समर्थन

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के युवा विधायक रोहित पवार ने बच्चू कडू के आंदोलन को नैतिक समर्थन दिया है। उन्होंने राज्य सरकार से अपील करते हुए कहा कि कडू की मांगे जायज हैं और सरकार को उन्हें गंभीरता से लेना चाहिए। पवार ने कहा, 'बच्चू कडू हमेशा उन लोगों की आवाज बनते हैं, जिन्हें व्यवस्था में अनसुना कर दिया जाता है। सरकार को इस वक्त टाल मटोल नहीं करनी चाहिए, बल्कि (शेष पेज २ पर)

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट ट्रेन को दिखाई हरी झंडी
गौरव यात्रा के माध्यम से ऐतिहासिक स्थलों का दर्शन और युवाओं में राष्ट्रप्रेम का होगा संचार

संवाददाता

मुंबई। भारतीय रेलवे की भारत गौरव यात्रा के अंतर्गत शुरू की गई छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट ट्रेन को आज मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह गौरव सर्किट न केवल शिवाजी महाराज के गौरवशाली इतिहास को जीवंत करेगा, बल्कि यात्रियों विशेषकर युवाओं के लिए यह प्रेरणा का स्रोत भी बनेगा। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि इस ट्रेन में आज ७०० से अधिक यात्री सफर कर रहे हैं, जिनमें ८० प्रतिशत यात्री ४० वर्ष से कम उम्र के हैं।

यह यात्रा शिवराज्याभिषेक के ३५१ वर्ष पूर्ण होने के दिन प्रारंभ हो रही है, जो अत्यंत गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि यह ट्रेन ऐतिहासिक स्थलों की यात्रा कर शिवाजी महाराज के जीवन, शौर्य और स्वराज की भावना से नागरिकों को जोड़ने का कार्य करेगी। गौरव यात्रा रायगढ़ से प्रारंभ होकर शिवनेरी, लाल महल, पुणे की शिवसृष्टी, कोल्हापुर के अंबाबाई मंदिर और पन्हाळा किले तक पहुंचेगी। मुख्यमंत्री ने इस गौरव यात्रा की परिकल्पना को साकार रूप देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, राज्य के सांस्कृतिक कार्यमंत्री आशिष शेलार, पर्यटन सचिव अतुल पाटणे और महाराष्ट्र पर्यटन विकास महामंडल (MTDC) का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, एमटीडीसी के एमडी मनोज सूर्यवंशी, रेलवे जीएम धर्मवीर मीणा, आईआरसीटीसी के राहुल हिमालियन सहित अनेक अधिकारी उपस्थित थे। रेलवे स्टेशन पर पारंपरिक ढोल-ताशों के साथ यात्रियों का भव्य स्वागत किया गया। सभी पर्यटकों को पुष्पगुच्छ और पर्यटन से जुड़ी जानकारी से युक्त पंफलेट्स भेंट किए गए।

गौरव यात्रा के प्रमुख आकर्षणः

रायगढ़ किला – शिवराज्याभिषेक का स्थल और राजधानी।
लाल महल, पुणे – शिवाजी महाराज का बाल्यकाल।
शिवनेरी किला – जन्मस्थल।
कसबा गणपति एवं शिवसृष्टी, पुणे – पुणे के ग्रामदेवता और शिवाजी पर आधारित संग्रहालय।
भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग – धार्मिक महत्त्व का स्थल।
प्रतापगढ़ किला – अफ़ज़ल खान पर विजय का गवाह।
कोल्हापुर – महालक्ष्मी मंदिर – आध्यात्मिक केंद्र।
पन्हाळा किला – बाजीप्रभू देशपांडे के शौर्य का प्रतीक।

यात्रा के दौरान भारतीय रेलवे और महाराष्ट्र पर्यटन विकास महामंडल की ओर से प्रत्येक स्टेशन पर पर्यटकों को ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी दी जाएगी। यह ५ दिवसीय विशेष टूर न केवल इतिहास और संस्कृति को जानने का अवसर देगा, बल्कि युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना को भी सुदृढ़ करेगा।

संपादकीय

छावनी क्षेत्रों से मुक्त!

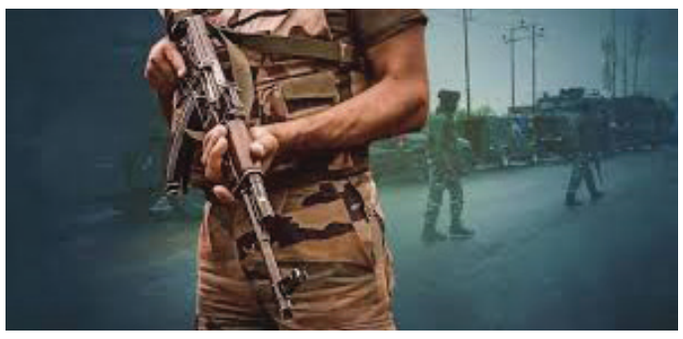

देश के सैन्य छावनी क्षेत्रों से बाहर हो रही जनता की ज़िंदगी अब उस बदल ाव के दौर से गुजर रही है, जो स्वतंत्र भारत में पहली बार व्यापक स्तर पर देखने को मिल रहा है। छावनी क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को अब ब्रिटिश काल की कड़ी सैन्य व्यवस्था से मुक्ति मिलने जा रही है और वे स्थानीय निकायों के स्वशासन के दायरे में आने वाले हैं। एक तरह से यह भारत के नागरिक समाज के लिए लोकतांत्रिक अधिकारों की पुनर्प्राप्ति है, तो दूसरी ओर यह चुनौती भी है कि वर्षों से चली आ रही सैन्य अनुशासन व्यवस्था की जगह अब नागरिक प्रशासन कैसे, कितनी कुशलता से ले पाएगा। ब्रिटिश शासनकाल की देन छावनी व्यवस्थाएं, जिनका निर्माण सेना के प्रशिक्षण, निवास और सैन्य अनुशासन की निगरानी के लिए हुआ था, वहाँ के नागरिक क्षेत्रों में आज भी वही पुरानी कड़ाई बरकरार थी। स्थानीय योजनाओं और विकास की दृष्टि से ये क्षेत्र अलग-थलग रह गए, जहाँ राज्य सरकारों की योजनाएं पहुँच ही नहीं पाती थीं या बहुत सीमित रूप में लागू होती थीं। नागरिकों के लिए यहां स्वतंत्र सांस लेने तक की सीमा बंधी रही, क्योंकि छावनी परिषदें सैन्य प्रशासन के अधीन थीं और उनमें नागरिकों की भागीदारी या अधिकार बेहद सीमित थे।

हिमाचल प्रदेश में इस दिशा में सबसे पहला कदम योल छावनी से शुरू हुआ, जिसे अब औपचारिक रूप से नागरिक प्रशासन को सौंप दिया गया है। इसके बाद अब सुबाथु, डगशाई, कसौली, डलहौजी, बकलोह और जतोग जैसी छावनियों को भी क्रमशः सैन्य नियंत्रण से मुक्त कर आम नागरिक प्रशासन में लाया जा रहा है। यह कदम उस ३६ छावनी क्षेत्रों की देशव्यापी योजना का हिस्सा है, जिसमें लगभग ३५ लाख नागरिकों को सैन्य अनुशासन से बाहर निकालकर स्थानीय निकायों के दायरे में लाने की तैयारी है। लेकिन योल का अनुभव मिश्रित रहा है। एक ओर लोगों को आज़ादी मिली, लेकिन दूसरी ओर सैन्य अनुशासन के हटते ही मूलभूत नागरिक सुविधाओं में गिरावट देखी गई। वर्षों से सेना द्वारा नियंत्रित क्षेत्र में सफाई, ट्रैफिक नियंत्रण, जल व विद्युत आपूर्ति जैसी सेवाएँ बेहतर स्तर पर संचालित होती थीं। लेकिन जैसे ही नागरिक प्रशासन का दखल बढ़ा, प्रबंधन में तालमेल की कमी, गंदगी, अव्यवस्था, और बजटीय समस्याएँ सामने आने लगीं।

इस अनुभव ने चेताया है कि सिर्फ छावनी परिषदों से नागरिकों को मुक्त करना ही समाधान नहीं है, बल्कि उन्हें एक सुव्यवस्थित प्रशासनिक ढांचे में लाना भी जरूरी है। नहीं तो यह स्वतंत्रता जल्द ही अव्यवस्था में बदल सकती है। अब सवाल यह भी है कि अगर ये नए मुक्त क्षेत्र अपने को 'गाँव' घोषित कर दें और पंचायती राज के अंतर्गत आ जाएं, तो वहां पूर्ववर्ती वर्षों की सैन्य व्यवस्था से बेहतर सुविधाएं मिल पाएंगी या नहीं? क्या पंचायतें सैन्य अनुशासन की तरह सफाई, ट्रैफिक, जल-निकासी, ठोस कचरा प्रबंधन जैसी सेवाएं निभा पाएंगी? जैसे योल में देखा गया, छावनी से बाहर होते ही नगर निगम या नगर परिषद की जगह अगर क्षेत्र को ग्रामीण घोषित कर दिया गया तो परिणामस्वरूप वहां की व्यवस्थाएं चरमरा गईं। इसीलिए विशेषज्ञों का सुझाव है कि इन क्षेत्रों को **TCP (Town and Country Planning)** के तहत लाकर शहरी निकायों के अधीन व्यवस्थित किया जाए। उदाहरण के तौर पर, जतोग को शिमला नगर निगम, और योल को धर्मशाला नगर निगम के अंतर्गत लाया जाना चाहिए ताकि बुनियादी सेवाओं की गुणवत्ता बनी रहे। एक और समस्या जो उभरकर आई है, वह है सेना और नागरिक प्रशासन के बीच तालमेल का अभाव। आर्मी एरिया और आम नागरिक क्षेत्र के बीच स्पष्ट सीमाएं नहीं होने से जिम्मेदारियों में भ्रम और अव्यवस्था उत्पन्न हो रही है। सैन्य प्रतिष्ठानों के पास अभी भी कई संसाधन हैं, लेकिन नागरिक इलाकों को अब खुद अपनी सफाई, सड़कें और नालियाँ बनानी होंगी, जिससे संसाधनों पर अतिरिक्त बोझ बढ़ेगा। छावनी क्षेत्रों को नागरिक प्रशासन में शामिल करना लोकतांत्रिक अधिकारों की दृष्टि से ऐतिहासिक और आवश्यक है, लेकिन इसे केवल 'मुक्ति' नहीं समझा जाना चाहिए। इसके लिए ठोस नीति, पर्याप्त बजट, प्रशासनिक प्रशिक्षण और योजना बनानी होगी, ताकि वहां की जनता एक बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर हो सके न कि केवल व्यवस्था विहीन स्वतंत्रता की ओर। यह परिवर्तन नागरिकों के लिए संविधान सम्मत अधिकारों की प्राप्ति है, लेकिन साथ ही यह सुनिश्चित करना प्रशासन का कर्तव्य है कि यह स्वतंत्रता विकास और व्यवस्था का दूसरा नाम बन सके। तभी यह ऐतिहासिक कदम सार्थक सिद्ध होगा।

पेज 1 का शेष...

मोदी सरकार के 11 साल...

काम किया है। वहीं भाजपा ने इन आरोपों का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की और कहा कि भारत इन ११ वर्षों में दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना है। भाजपा नेताओं ने कहा कि मोदी सरकार ने जलवायु परिवर्तन, डिजिटल नवाचार और वैश्विक मंचों पर भारत को एक मजबूत आवाज में तब्दील किया है। सरकार की ओर से यह भी कहा गया कि देश में अभूतपूर्व इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, महिला सशक्तिकरण, गरीब कल्याण और डिजिटल क्रांति के माध्यम से आम जनता के जीवन में बदलाव लाया गया है। कुल मिलाकर, मोदी सरकार के ११ वर्षों को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच तीखा वैचारिक टकराव सामने आया है। कांग्रेस जहां इस कार्यकाल को तानाशाही, संवैधानिक संस्थाओं पर हमले और जनविरोधी नीतियों का समय बता रही है, वहीं भाजपा इसे विकास, सुशासन और वैश्विक नेतृत्व का स्वर्णिम काल बता रही है।

मुंबई लोकल ट्रेन हादसे...

रेलवे को अलग और विशेष ध्यान दिए बिना यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती।

शहरी योजना और ट्रैफिक व्यवस्था पर भी सवाल

राज ठाकरे ने शहरी विकास की दिशा पर भी सवाल उठाते हुए कहा, 'शहरों में भीड़ बढ़ रही है। ऊंची इमारतों की मंजूरी दी जा रही है, मेट्रो और फ्लाईओवर बन रहे हैं, लेकिन पार्किंग और ट्रैफिक प्लानिंग का कोई अता-पता नहीं है।' उन्होंने कहा कि सरकारों का सारा ध्यान चुनाव प्रचार और गठबंधन की राजनीति पर केंद्रित है, लेकिन आम नागरिकों की सुरक्षा, यात्रा की सुविधा और जीवन की गुणवत्ता पर नहीं। राज ठाकरे ने मीडिया और नागरिक समाज से भी आह्वान करते हुए कहा, 'हर कोई पूछ रहा है कि मैं उद्धव ठाकरे से गठबंधन करूंगा या नहीं। लेकिन इससे कहीं ज्यादा जरूरी सवाल है कि मुंबई में यात्रा करना कितना खतरनाक हो गया है। क्या मीडिया इन असली मुद्दों को उठाएगा? क्या सरकार से जवाब मांगेगा?

विदेश यात्रा करने वाले मंत्री कुछ क्यों नहीं सीखते?

राज ठाकरे ने नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि जो सांसद, विधायक और मंत्री विदेश यात्राएं करते हैं, वे कभी यह नहीं सोचते कि वहां से सार्वजनिक परिवहन और यात्री सुरक्षा के मामले में कुछ सीखा जाए। उन्होंने कहा, अगर ऐसी घटना विदेश में होती, तो वहां की सरकार कैसे जवाबदेह होती, इसकी तुलना कभी नहीं की जाती। यहां तो इंसान की जान की कोई कीमत ही नहीं रह गई है।

नक्सली हमले में नागपुर...

बदली हुई रणनीति का संकेत है। वे अब विस्फोटकों को सड़क की गहराई में इस प्रकार छिपा रहे हैं कि आधुनिक डिटेक्शन उपकरण भी उन्हें पकड़ नहीं पा रहे। हाल ही में छत्तीसगढ़ के बिजापुर जिले में भी इसी प्रकार का हमला सामने आया था, जिससे स्पष्ट है कि नक्सली सुरक्षाबलों को चकमा देने की नई तकनीक अपना रहे हैं।

प्राकृतिक जल निकायों में...

देते हुए कि यह उनके 'मौलिक अधिकारों का उल्लंघन' है। उन्होंने यह भी कहा कि गणेशोत्सव जैसे त्योहारों से पहले ही महीनों पहले मूर्ति निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो जाती है, इसलिए इस समय प्रतिबंध असमय और कठिन है। राज्य के महाधिवक्ता बीरेंद्र सराफ ने अदालत को बताया कि अधिकांश छोटी मूर्तियाँ कृत्रिम टैंकों में विसर्जित की जा रही हैं। हालांकि, उन्होंने बड़ी मूर्तियों (जो २० फीट तक ऊँची होती हैं) के लिए 'विशेष छूट' की मांग की और कहा कि 'ये मूर्तियाँ अब हमारी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा बन चुकी हैं। सराफ ने यह भी कहा कि यदि मंडल एक ही मूर्ति का स्थायी रूप से उपयोग करना चाहें, तो राज्य सरकार उसमें कोई बाधा नहीं डालेगी। न्यायमूर्ति संदीप मार्ने ने इस पर सवाल किया कि क्या सरकार बड़े मूर्तियों के समुद्र जैसे प्राकृतिक जल निकायों में विसर्जन के संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी कर रही है।

राज्य सरकार को अंतिम निर्णय लेने का निर्देश

अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आलोक में अंतिम नीति निर्णय ले। अदालत ने अपने आदेश में उल्लेख किया, हम राज्य को निर्देशित करते हैं कि वह सीपीसीबी विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के अनुसार पीओपी मूर्तियों के विसर्जन पर नीति निर्धारित करे। मामले की अगली सुनवाई ३० जून को निर्धारित की गई है।

देश चौथी इकोनॉमी बन...

तो इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। जानवरों से इतनी मोहब्बत और इंसानों से कोई प्यार नहीं? उन्होंने कहा कि मुंबई में देश और दुनिया भर से लोग काम करने आते हैं, जो सुबह घर से निकलते हैं और सोचते हैं कि शाम को कुछ कमा लाएंगे। लेकिन लोकल ट्रेन की दुर्दशा ऐसी है कि उनकी जान बचकर घर लौटेगी या नहीं, इसका भरोसा नहीं। मुंब्रा स्टेशन की स्थिति पर आजमी ने कहा कि वहां फास्ट और लोकल ट्रेनों की सुविधा शुरू करने की मांग पिछले डेढ़ साल से चल रही है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। उन्होंने कहा कि तकनीकी खामियों की वजह से लगातार हादसे हो रहे हैं और रेलवे मंत्रालय पूरी तरह से जिम्मेदार है। अबू आजमी ने कहा कि संसद सत्र में समाजवादी पार्टी के ३७ सांसद इस मुद्दे को उठाएंगे और रेलवे मंत्री से जवाब मांगा जाएगा। उन्होंने कहा, जब सरकार को पता है कि हर महीने ३-४ लोगों की मौत हो रही है और लोग जानवरों की तरह सफर कर रहे हैं, फिर भी कार्रवाई नहीं हो रही, तो यह प्रशासनिक असंवेदनशीलता है। मुंब्रा स्टेशन के हालात सुधारने के लिए सरकार को तुरंत ठोस कदम उठाने चाहिए।

कोंकण क्षेत्र में बंदरगाह...

मछली नीलामी शेड, बर्फ निर्माण इकाई, कार्यशाला, मछली पकड़ने के जालों की मरम्मत व रखरखाव के शेड, शौचालय जैसी सुविधाओं का निर्माण किया जा रहा है। इन कार्यों के लिए सरकार द्वारा ससून डॉक में ९२ करोड़ रूपए, आनंदवाड़ी में ८८.४४ करोड़ रूपए, मिरकरवाड़ा में २६.२३ करोड़ रूपए और करंजा में १४९.८० करोड़ रूपए की प्रशासकीय मंजूरी प्रदान की गई है। इसके साथ ही कोंकण क्षेत्र में सात स्थानों पर मछली लैंडिंग केंद्रों पर चल रहे कार्यों की भी समीक्षा की गई। बैठक में राज्य सरकार द्वारा अक्टूबर २०२४ में घोषित महाराष्ट्र समुद्री मछुआरा कल्याण महामंडल और महाराष्ट्र भूजल मछुआरा कल्याण महामंडल की प्रगति की जानकारी भी दी गई। मंत्री राणे ने निर्देश दिया कि इन दोनों निगमों के कार्यों को शीघ्र शुरू करने के लिए मुंबई और नागपुर के कार्यालयों के मौजूदा ढांचे का उपयोग करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बंदरगाहों के आधुनिकीकरण और मत्स्य आधारित ढांचागत विकास से न केवल मछुआरा समुदाय को लाभ होगा बल्कि कोंकण क्षेत्र के समग्र आर्थिक विकास को भी बल मिलेगा।

बच्चू कडू की अनिश्चितकालीन...

ठोस समाधान निकालना चाहिए।

आंदोलन स्थल पर जुट रही भीड़, बढ़ाई गई सुरक्षा

गुरूकुंज मोझरी में आंदोलन स्थल पर प्रहार जनशक्ति पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ राज्यभर से किसान, दिव्यांगजन, और अन्य समर्थक जुट रहे हैं। पुलिस प्रशासन ने संभावित भीड़ और नेताओं की आमद को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। प्रशासन लगातार स्थिति पर निगरानी बनाए हुए है। बच्चू कडू का यह आंदोलन आने वाले दिनों में राज्य की किसान नीतियों और राजनीतिक विमर्श पर गहरा प्रभाव डाल सकता है। फिलहाल सबकी नजरें इस पर टिकी हैं कि सरकार इस आंदोलन के प्रति क्या रुख अपनाती है।

CALL: 022-2470 1881
Getwell CHEMIST
Free Home Delivery
Lalit Mali : 7710938231
Bharat Mali: 9769181671
Shop No. 3, CJ Market, Dr. Babasaheb Ambedkar Road, Ganesh Nagar, Lalbaug, Mumbai - 400 012.

अनाज, सब्जियों और फलों के साथ जहर भी खा रहे हैं हम

सुभाष आनंद

खेतीबाड़ी विशेषज्ञों का कहना है कि जिस प्रकार धड़ाधड़ देशभर में कीटनाशकों की खपत बढ़ रही है वह बेहद ही चिंताजनक है। हम सभी अनाज, सब्जियों और फलों के माध्यम से जहर भी खा रहे हैं जो हमारे शरीर के लिए बेहद नुकसानदायक है। निःसंदेह किसान अपनी फसलों को कीड़ों मकोड़ों से बचाने के लिए कीटनाशक दवाईयों का प्रयोग करते हैं। कीड़े मार दवाईयों की स्प्रे प्रथा धीरे धीरे बढ़ती जा रही है। जिसके कारण लोग अनाज के साथ-साथ धीमा जहर ले रहे हैं साथ ही लोग विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त भी हो रहे हैं। यदि फसलों में इसी गति से पेस्टीसाइड्स डालने की रिवायत कायम रही तो आधे से ज्यादा देश भयानक बीमारियों की जकड़ में आ सकता है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि कीटनाशक दवाई पानी, हवा, वनस्पति को पूरी तरह प्रभावित करती है। आज पंजाब के किसान बिना खेतीबाड़ी विशेषज्ञों की सलाह लिए कीट नाशकों का प्रयोग बड़े धड़ल्ले से कर रहे हैं। पंजाब के केवलमालवा क्षेत्र में ही ६० प्रतिशत से ज्यादा कीटनाशक दवाओं का प्रयोग हो रहा है। इसी कारण यहां मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। यहां प्रत्येक किसान भरपूर फसल लेने के लिए कीटनाशकों का खूब उपयोग कर रहे हैं, इसी कारण पिछले दो दशकों में पंजाब में कैंसर के मरीजों की संख्या बड़ी तेजी से बढ़ रही है, महिलाओं में प्रजनन शक्ति कम हो रही है।

लिवर खराब हो रहे हैं। उधर, किसानों का कहना है कि यदि फसलों पर स्प्रे ना करे तो फसलों की वृद्धि कम हो जाता है। वातावरण बदलने के कारण पंजाब में किसान मित्र पक्षियों की संख्या कम हो रही है, जो पहले धरती पर रहने वाले कीड़ों को खा जाते थे। यदि स्प्रे ना किया जाए फ्रीडम कोड फसलों को बड़ा नुकसान पहुंच जाते हैं, उधर खेती बाड़ी विशेषज्ञों का कहना कि कीट नाशक अवशेषों में बड़ी मात्रा में भारी धातु पाई जाती है, बाहरी धातुओं वाले भोजन, सब्जियों और फलों के लंबे समय से सेवन करने से हृदय रोग, गुर्दे फेल होना और फेफड़ों में घुटन इत्यादि शुरू हो जाता है। सतलुज किनारे बसे फिरोजपुर, फाजिल्का इलाके के लोगों ने बताया कि सब्जियों पर जरूरत से ज्यादा स्प्रे के कारण उनमें क्रोमियम, यूरेनियम, सीसा, तांबा, निक्कल और मैंगनीज जैसी हानिकारक भारी धातुएं बड़ी मात्रा में पाई जा रही है। सीमावर्ती क्षेत्रों में पैदा होने वाली सब्जियों में भारी धातुओं की मात्रा तय मूल्यों से अधिक पाई जा रही है। सतलुज में कैडमियम, जिंक, टिन, एटीमनी, लैड,टाइटेनियम जैसी जहरीली भारी धातुएं भारी मात्रा में पाई जा रही हैं। सूत्रों से पता चला के गांवों में प्राप्त होने वाली देसी शराब भी सतलुज में बहाई जा रही है, जो सतलुज के पानी को जहरीला बना रही है। उधर,खेतीबाड़ी विशेषज्ञों की बात मानी जाए तो यह बात किसी हद तक सत्य है कि फसलों के लाभकारी सूक्ष्मजीवों की भूमि में भारी मात्रा में कमी आ रही है और भूमि की गुणवत्ता में भारी गिरावट हो रही है। विशेषज्ञों का मानना है की कीटनाशक केवल भूमि को ही प्रभावित नहीं करते बल्कि हवा और पानी को भी प्रभावित करते हैं। लोग अनाज, सब्जियों और फलों के साथ-साथ धीमा जहर भी ले रहे हैं जिसका असर धीरे-धीरे हमारी जिंदगी में सामने आ रहा है।

वैसे आजकल कई समृद्ध किसान अपने घरेलू खाने के लिए पैदा होने वाला अनाज और सब्जियों के लिए अब ऑर्गेनिक खाद का प्रयोग करने लगे हैं ताकि उनका परिवार स्प्रे के जहर से बचा रह सके। सीमावर्ती क्षेत्रों के किसानों का कहना है कि हम नर्क में जी रहे हैं, सूत्रों से पता चला है कि सतलुज में फेंकी जाने वाली हजारों लीटर देसी शराब भी लोगों के स्वास्थ्य पर जहां कुप्रभाव डाल रही है, वही फसलों को भी प्रभावित कर रही है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए कीटनाशक स्प्रे बड़ी भूमिका निभा रहे हैं, वही वह वातावरण और लोगों की सेहत पर भी कुप्रभाव डाल रहे हैं।

मेष: आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। करियर में नई शुरुआत हो सकती है। किसी पुरानी योजना से धन प्राप्ति संभव है। कर्ज से राहत मिल सकती है। नौकरी बदलने या प्रमोशन के लिए समय अनुकूल है। उपायः हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाएं।

वृषभ: ऑफिस में आपके काम की सराहना होगी। कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है जो आगे चलकर लाभदायक होगी। आज कोई नया फाइनेंशियल प्लान बनाएं, फायदा मिलेगा। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। उपायः गाय को हरा चारा खिलाएं।

मिथुन: कारोबार में लाभ के योग हैं। जिन लोगों ने कर्ज लिया है, उन्हें कुछ राहत मिल सकती है। घर में शुभ समाचार मिलने की संभावना है। यात्राएं लाभदायक रहेंगी। छात्रों को पढ़ाई में मन लगेगा। उपायः गणेश जी को दूर्वा अर्पित करें।

कर्क: आज मेहनत का फल मिलेगा। करियर में तरक्की के नए रास्ते खुल सकते हैं। रिश्तों में सामंजस्य बना रहेगा। खानपान पर ध्यान दें। कोई पुराना मित्र संपर्क कर सकता है। उपायः शिवलिंग पर जल अर्पित करें।

सिंह: आज का दिन प्रॉपर्टी और वाहन संबंधी कार्यों के लिए शुभ है। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। ऑफिस में आपकी बात सुनी जाएगी। कोई बड़ा फैसला लेने से पहले सलाह जरूर लें।
उपायः सूर्य को जल अर्पित करें।

कन्या: राजनीति, लेखन, मीडिया और कला क्षेत्र के लोगों को विशेष सफलता मिल सकती है। यात्रा का योग है। कोई रुका हुआ सरकारी कार्य पूरा हो सकता है। संतान पक्ष से प्रसन्नता मिलेगी। उपायः तुलसी में जल चढ़ाएं।

तुला: आज कोई पुराना कर्ज चुकता हो सकता है। यात्रा में लाभ है, पर स्वास्थ्य पर ध्यान देना जरूरी है। ऑफिस में सतर्कता रखें। प्रेम जीवन में मधुर संवाद जरूरी होगा। उपायः चंद्र देव को दूध अर्पित करें।

वृश्चिक: आज का दिन आत्मविश्वास से भरा रहेगा। आपके निर्णय सही साबित होंगे। कार्यस्थल पर सम्मान मिलेगा। साझेदारी में लाभ मिलेगा। जीवनसाथी के साथ समय बिताएं। उपायः लाल रंग का वस्त्र दान करें।

धनु: घर में खरीदारी के योग हैं। विरोधियों पर विजय प्राप्त होगी। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। धार्मिक यात्रा का योग बन रहा है। किसी को उधार देने से पहले सोचें। उपायः केले के पेड़ की पूजा करें।

मकर: आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। भूमि-वाहन संबंधी फैसले न लें। स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है, सतर्क रहें। कार्यस्थल पर सहयोग मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों को स्थानांतरण के संकेत हैं। उपायः शनि मंदिर में सरसों का तेल चढ़ाएं।

कुंभ: आर्थिक पक्ष थोड़ा कमजोर हो सकता है, लेकिन नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। सामाजिक कार्यों में भाग लें। गुस्से पर नियंत्रण रखें, नहीं तो रिश्तों में खटास आ सकती है। उपायः नीले कपड़े पहनें।

मीन: धन लाभ के योग हैं। रुके हुए पैसे मिल सकते हैं। व्यापार में विस्तार संभव है। कोई पुराना मित्र मदद कर सकता है। सेहत ठीक रहेगी। संतान से सहयोग मिलेगा। उपायः जल में हल्दी डालकर सूर्य को अर्घ्य दें।

परेशानी का कारण बनता आरबीआई का संदेश

संदीप सृजन

भारतीय रिज़र्व बैंक देश की वित्तीय प्रणाली का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो मौद्रिक नीतियों को लागू करने, मुद्रा प्रबंधन और वित्तीय जागरूकता बढ़ाने जैसे कार्यों के लिए जाना जाता है। हाल के वर्षों में, आरबीआई ने जनता को साइबर धोखाधड़ी और वित्तीय अपराधों के प्रति जागरूक करने के लिए कई अभियान शुरू किए हैं। इनमें से एक अभियान में बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन की आवाज का उपयोग किया गया, जिसका उद्देश्य लोगों को साइबर ठगी से बचाने के लिए जागरूक करना है। जब भी हम किसी नंबर पर कॉल करते हैं, तो कॉल कनेक्ट होने से पहले अमिताभ बच्चन की आवाज में एक संदेश सुनाई देता है, जिसमें साइबर धोखाधड़ी से बचने की सलाह दी जाती है। संदेश में आमतौर पर यह बताया जाता है कि कोई भी बैंक या वित्तीय संस्थान व्यक्तिगत जानकारी जैसे ओटीपी, पासवर्ड, या बैंक खाता विवरण नहीं मांगता।

साथ ही, यह लोगों को संदिग्ध लिंक्स पर क्लिक करने या अनजान कॉल्स का जवाब देने से मना करता है। यह संदेश विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध है, ताकि देश के हर हिस्से में लोग इसे समझ सकें। लेकिन, यह संदेश, जो मोबाइल फोनों पर कॉलर ट्यून के रूप में बजता है, कुछ लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। क्योंकि यह संदेश हर बार कॉल करने पर बार-बार सुनाई देता है, जिससे कुछ उपयोगकर्ताओं को असुविधा होने लगी। विशेष रूप से, वे लोग जो दिन में कई बार कॉल करते हैं, जैसे कि व्यवसायी, पेशेवर, या ग्राहक सेवा से जुड़े कर्मचारी, इस संदेश को सुनकर थकान और चिड़चिड़ापन महसूस करने लगे। लोगों की सबसे बड़ी शिकायत यह है कि यह संदेश हर कॉल के साथ दोहराया जाता है। भले ही संदेश महत्वपूर्ण है, लेकिन इसे बार-बार सुनना कुछ लोगों के लिए कष्टप्रद हो सकता है। विशेष रूप से, आपातकालीन स्थिति में, जब कोई तुरंत कॉल कनेक्ट करना चाहता है, यह संदेश देरी का कारण बन सकता है। हालांकि संदेश संक्षिप्त है, फिर भी यह १०-१५ सेकंड तक चलता है। बार-बार कॉल करने वालों के लिए यह समय भी काफी लंबा लगता है। जो कि उनके समय को बर्बाद करता है। अमिताभ बच्चन की आवाज, जो सामान्य रूप से प्रेरक और आकर्षक मानी जाती है, इस संदर्भ में कुछ लोगों को चेतावनी देने वाली या डरावनी लग सकती है। बार-बार एक ही संदेश सुनने से कुछ उपयोगकर्ताओं में तनाव या बेचैनी की भावना उत्पन्न हो सकती है।

कुछ मामलों में, कॉलर ट्यून के कारण कॉल कनेक्ट होने में देरी होती है, जिससे उपयोगकर्ताओं को लगता है कि उनकी कॉल ठीक से काम नहीं कर रही। यह तकनीकी असुविधा उन लोगों के लिए विशेष रूप से परेशान करने वाली है जो कमजोर नेटवर्क क्षेत्रों में रहते हैं। आरबीआई ने इस अभियान को लागू करने के लिए टेलीकॉम कंपनियों के साथ साझेदारी की है। जियो, एयरटेल, वोडाफोन-आइडिया जैसी प्रमुख टेलीकॉम कंपनियों ने इस संदेश को अपने नेटवर्क पर कॉलर ट्यून के रूप में लागू किया। हालांकि, टेलीकॉम कंपनियों ने उपयोगकर्ताओं को इस संदेश को बंद करने का कोई विकल्प नहीं दिया है, जिससे असंतोष बढ़ा है। कुछ उपयोगकर्ताओं ने सुझाव दिया है कि इस संदेश को वैकल्पिक किया जाए, ताकि जो लोग इसे सुनना न चाहें,

वे इसे बंद कर सकें। टेलीकॉम कंपनियों को उपयोगकर्ताओं को यह विकल्प देना चाहिए कि वे इस संदेश को सुनना चाहते हैं या नहीं। एक साधारण सेटिंग के माध्यम से उपयोगकर्ता इसे अक्षम कर सकते हैं। हर कॉल पर संदेश बजाने के बजाय, इसे दिन में एक निश्चित संख्या तक सीमित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, दिन में पहली कुछ कॉलों पर ही यह संदेश बजे। संदेश को और संक्षिप्त किया जा सकता है ताकि यह उपयोगकर्ताओं के लिए कम कष्टप्रद हो। आरबीआई को जागरूकता बढ़ाने के लिए अन्य माध्यमों, जैसे सोशल मीडिया, टीवी विज्ञापन, या एसएमएस अभियानों पर भी ध्यान देना चाहिए। इससे कॉलर ट्यून पर निर्भरता कम होगी।

आरबीआई और टेलीकॉम कंपनियों को उपयोगकर्ताओं की शिकायतों पर ध्यान देना चाहिए और इस अभियान को और उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाने के लिए उपाय करने चाहिए। जागरूकता और सुविधा के बीच संतुलन बनाना महत्वपूर्ण है ताकि यह अभियान अपनी प्रभावशीलता बनाए रखे और साथ ही उपयोगकर्ताओं की असुविधा को कम करे। अमिताभ बच्चन की आवाज, जो पहले पोलियो उन्मूलन जैसे अभियानों में चमत्कार कर चुकी है, इस अभियान में भी सकारात्मक बदलाव ला सकती है, बशर्ते इसे सही दिशा में लागू किया जाए।

मुंब्रा स्टेशन पर दर्दनाक ट्रेन दुर्घटनाः 6 की मौत, 4 घायल

वी वी माणिक

मुंबई। सोमवार सुबह मुंबई लोकल ट्रेन नेटवर्क में एक बार फिर इंसानी भीड़ और प्रशासनिक लापरवाही का भयावह चेहरा सामने आया, जब मुंब्रा स्टेशन के पास दो विपरीत दिशाओं से गुजर रही तेज़ लोकल ट्रेनों के यात्री आपस में टकरा गए और ६ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ४ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा देश की आर्थिक राजधानी में ट्रेन से सफर के जोखिम और अव्यवस्था की एक और दर्दनाक मिसाल बन गया है। सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) के मुताबिक, एक ट्रेन कर्जत की ओर जा रही थी जबकि दूसरी कसारा से सीएसएमटी के लिए रवाना थी। मुंब्रा के पास एक मोड़ पर जब दोनों ट्रेनें एक-दूसरे के समीप से गुजरीं, तब अत्यधिक भीड़ और डिब्बों के अंदर से हो रहे दबाव के चलते कसारा लोकल के फुटबोर्ड पर खड़े यात्री कर्जत लोकल के बाहर लटकते यात्रियों से टकरा गए। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि कई यात्री चलती ट्रेनों से नीचे गिर पड़े। हादसे में ८ पुरुष और २ महिलाएं प्रभावित हुए।

६ यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ४ को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरने वालों में एक जीआरपी जवान भी शामिल हैं, जो २०१७ बैच के थे और ठाणे जीआरपी क्राइम ब्रांच में तैनात थे। इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर रेलवे की यात्री सुरक्षा व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है। मुंबई की लोकल ट्रेनों में रोज़ाना लाखों लोग सफर करते हैं, जिनमें से कई ज़िंदगी दांव पर लगाकर ट्रेन पकड़ते हैं। मुंब्रा की यह दुर्घटना रेलवे और सरकार दोनों के लिए एक गंभीर चेतावनी है कि यदि अब भी यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं दी गई, तो ऐसे हादसे बार-बार होते रहेंगे और और भी जानें जाती रहेंगी।

नासिक में उत्कर्ष महोत्सव का भव्य आयोजन, संस्कृत साधकों को किया गया सम्मानित

संवाददाता

नासिक। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (सीएसयू), नई दिल्ली के कुलपति प्रो.श्रीनिवास वरखेड़ी के मार्गदर्शन में ८ से १० जून २०२५ तक नासिक में उत्कर्ष महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह महोत्सव संसद द्वारा अधिनियमित तीनों केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय सीएसयू नई दिल्ली, श्रीलाबशा राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठम तथा राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है। महोत्सव के द्वितीय दिवस ९ जून को गुरुदक्षिणा सभागृह, कॉलेज रोड, नासिक में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. समीर सोमैया (कुलाधिपति, सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय, मुंबई), सारस्वत अतिथि पद्मश्री प्रो.अभिराज राजेन्द्र मिश्र (कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय) एवं अध्यक्षता करते हुए प्रो. जी.एस.आर. कृष्णमूर्ति (कुल पति, तिरुपति) उपस्थित रहे। समारोह में 'संस्कृत सेवाव्रती सम्मान', 'उत्कर्ष सम्मान' एवं 'प्राच्य विद्याविभूषण सम्मान' प्रदान किए गए। आयोजित संत सम्मेलन में त्र्यंबकेश्वर तपोनिधि आनंद अखाड़ा के अध्यक्ष महंत शंकरानंद सरस्वती, कैलाशमठ ट्रस्ट भक्तिधाम के अध्यक्ष स्वामी संविदानंद सरस्वती तथा पंचमुखी हनुमान मंदिर के भक्तिचरणदास शामिल हुए।

'सक्षम' पहल से युवाओं में उद्यमिता की भावना को मिला नया संबलः मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

संवाददाता

मुंबई। राज्य सरकार द्वारा युवाओं में उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने हेतु बीते दो वर्षों में अनेक प्रभावशाली पहलें शुरू की गई हैं। इन्हीं पहलों में से एक है 'सक्षम'– जिसे 'उद्यम लर्निंग फाउंडेशन' द्वारा नागपुर और अमरावती जिलों के सरकारी और अनुदानित स्कूलों व जूनियर कॉलेजों में धर्मार्थ संगठनों के माध्यम से सफलतापूर्वक लागू किया गया है। यह पहल मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के विजन का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर और नवाचार-सक्षम बनाना है। 'उद्यम लर्निंग फाउंडेशन' की स्थापना मेकिन माहेश्वरी द्वारा एक गैर-लाभकारी संगठन के रूप में की गई थी। संस्था द्वारा संचालित 'सक्षम' कार्यक्रम के अंतर्गत १४ से २५ वर्ष आयु वर्ग के छात्रों में प्रोजेक्ट-आधारित शिक्षा के माध्यम से उद्यमशीलता की मानसिकता और कौशल का विकास किया जा रहा है। साथ ही, शिक्षकों को भी आधुनिक शिक्षण विधियों से प्रशिक्षित किया गया है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, 'हर साल लगभग १४ लाख युवा महाराष्ट्र की कार्यशक्ति में प्रवेश करते हैं।

यदि उन्हें समय रहते उचित प्रशिक्षण, प्रेरणा और अवसर मिलें, तो वे न केवल अपनी आजीविका सृजित कर सकते हैं, बल्कि दूसरों के लिए भी रोजगार का निर्माण कर सकते हैं। 'सक्षम' जैसी पहल इस दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है।नागपुर जिला परिषद के ३० स्कूलों में पायलट प्रोजेक्ट के तहत ४० नवाचार परियोजनाएँ प्रदर्शित की गईं। अमरावती के २१२ स्कूलों में ८,००० छात्रों तक यह कार्यक्रम पहुंचा और इसे २०२५-२६ तक ४०० स्कूलों तक विस्तार देने की योजना है। राज्य में अब तक १५,००० छात्रों ने 'सक्षम' कार्यक्रम में भाग लिया है।

२,५०० से अधिक व्यावसायिक विचार प्रस्तुत किए गए, जिनमें से १,५०० विचारों पर प्रोटोटाइप तैयार किए गए और ५०० से अधिक छात्रों ने अपने उत्पादों की बिक्री भी की। ५०० शिक्षकों को उद्यमिता शिक्षण में विशेष प्रशिक्षण दिया गया। नागपुर जिला परिषद की तत्कालीन मुख्य कार्यकारी अधिकारी सौम्या शर्मा ने कहा, 'इस पहल के माध्यम से छात्रों को यह प्रत्यक्ष अनुभव मिला कि वे स्वयं नौकरी के बजाय रोजगार सृजनकर्ता बन सकते हैं।

इससे उनमें आत्मविश्वास और रचनात्मकता का महत्वपूर्ण विकास हुआ है। 'उद्यम लर्निंग फाउंडेशन' ने यह भी बताया कि अब तक १२ राज्यों के २९ लाख से अधिक छात्रों को उद्यमिता पर शिक्षा प्रदान की जा चुकी है। महाराष्ट्र में 'सक्षम' के जरिए उद्यमशीलता आधारित शिक्षा को संस्थागत रूप देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण प्रयास साबित हो रहा है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया है कि यदि राज्य सरकार की एजेंसियाँ, स्थानीय स्व-सरकारी निकाय तथा गैर-सरकारी संगठनों के साथ समन्वय कर इस कार्यक्रम को और व्यापक रूप में लागू किया जाए, तो यह शिक्षा के माध्यम से उद्यमिता की नींव मजबूत करने वाला प्रभावी मॉडल बन सकता है।

मुंबई लोकल ट्रेन हादसे पर शरद पवार ने व्यक्त की गंभीर चिंता, स्वचालित दरवाजे और ट्रेन बढ़ाने की मांग

संवाददाता

मुंबई। एनसीपी (शरद पवार गुट) के प्रमुख और वरिष्ठ नेता शरद पवार ने सोमवार को मध्य रेलवे के उपनगरीय नेटवर्क में हुई एक दर्दनाक दुर्घटना पर गहरा शोक जताया। उन्होंने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर रेलवे प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाए और लोकल ट्रेनों में स्वचालित दरवाजे लगाए जाने की तत्काल जरूरत पर बल दिया। यह हादसा सोमवार सुबह तब हुआ जब दिवा और कोपर रेलवे स्टेशनों के बीच तेज़ रफ्तार से गुजर रही दो लोकल ट्रेनों के फुटबोर्ड पर खड़े यात्रियों के बैग आपस में टकरा गए। टक्कर के कारण कई यात्री संतुलन खोकर पटरियों पर गिर पड़े। इस दुर्घटना में चार यात्रियों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए, जिनमें कुछ का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए पवार ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा-'मध्य रेलवे को समय की अच्छी योजना बनानी चाहिए और महत्वपूर्ण मार्गों पर लोकल ट्रेनों की संख्या बढ़ानी चाहिए। यात्रियों की सुरक्षा के लिए जरूरी उपाय तुरंत लागू किए जाएं।

उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी लगातार हो रही दुर्घटनाओं को रोकने के लिए लोकल ट्रेनों में स्वचालित दरवाजों को लागू करने का निर्णय अब और टालना ठीक नहीं है। शरद पवार ने अपने संदेश में पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की

प्रार्थना की। रेलवे प्रशासन को चेताते हुए कहा कि मध्य रेलवे नेटवर्क पर औसतन हर दिन छह से सात यात्रियों की मौत गिरने के कारण हो रही है। यह कोई आकस्मिक संयोग नहीं बल्कि एक व्यवस्था की विफलता है। यात्रियों को ही दोष देना अन्यायपूर्ण है। यह ज़िम्मेदारी रेलवे प्रशासन की है कि वह ट्रेनों में भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि रेलवे प्रशासन समय रहते समाधान नहीं निकालेगा तो ऐसी दुर्घटनाएं लगातार होती रहेंगी और अनमोल जानें यूं ही जाती रहेंगी। यह हादसा न केवल मुंबई की जीवन रेखा मानी जाने वाली लोकल ट्रेनों की भीड़भाड़ की विकराल स्थिति को उजागर करता है, बल्कि यात्रियों की जान जोखिम में डालने वाली मौजूदा व्यवस्था पर सवाल भी खड़े करता है। शरद पवार के बयान से यह स्पष्ट है कि अब लोकल ट्रेनों में आधुनिक सुरक्षा उपायों की अनदेखी को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

नौकरी का झांसा देकर बांग्लादेशी महिलाओं की तस्करी, एक गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। मुंबई के मलाड इलाके में पुलिस ने एक संगठित सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है, जिसमें बांग्लादेश से महिलाओं को झूठे वादों के जरिए भारत लाकर देह व्यापार में धकेला जा रहा था। मालवणी पुलिस द्वारा शुक्रवार देर रात को की गई कार्रवाई में तीन बांग्लादेशी महिलाओं को एक कमरे से रेस्क्यू किया गया। पुलिस के मुताबिक, महिलाओं को एक महीने पहले बांग्लादेश से भारत लाया गया था। आरोपियों ने उन्हें अस्पतालों और मेडिकल दुकानों में नौकरी दिलाने का झांसा दिया था, लेकिन मुंबई पहुंचने के बाद उन्हें देह व्यापार के लिए मजबूर किया गया। पूछताछ में पता चला कि सभी महिल एं अवैध रूप से भारत में लाई गई थीं। मेडिकल परीक्षण के बाद उन्हें सरकारी आश्रय गृह में भेज दिया गया है। उनके बयानों के आधार पर चार आरोपियों की पहचान हुई है। मंसर अहमद मोहम्मद हसन शेख (५३), आकाश उर्फ शाहीन, संजीव उर्फ बच्चन और मेहंदी हसन। मंसर शेख को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे स्थानीय अदालत में पेश कर पुलिस हिरासत में भेजा गया है। बाकी तीनों आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता और अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम **(PITA)** की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई मुंबई पुलिस के उस विशेष अभियान का हिस्सा है, जिसमें शहर में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों और मानव तस्करी के मामलों को निशाना बनाया जा रहा है।

जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपियों ने महिलाओं को मेडिकल क्षेत्र में नौकरी दिलाने का लालच देकर वेश्यावृत्ति के जाल में फंसाया। पुलिस मामले की तह तक जाने के लिए आगे की जांच कर रही है।

लोनावला भुशी बांध में दो युवकों की दर्दनाक मौत

संवाददाता

पुणे। पुणे के पास स्थित लोकप्रिय हिल स्टेशन लोनावला की सैर दो युवकों के लिए जानलेवा साबित हुई, जब वे अपने दोस्तों के साथ भुशी बांध के बैकवाटर में डूब गए। मृतकों की पहचान मोहम्मद जमाल (२२ वर्ष) और साहिल अशरफ अली शेख (१९ वर्ष) के रूप में हुई है। यह हादसा उस वक्त हुआ जब दोनों अपने मित्रों के साथ बांध के सुंदर वातावरण में घूमने आए थे और पानी में तैरने के लिए उतर गए। पुणे ग्रामीण पुलिस के अनुसार, समूह भुशी बांध की शांत और आकर्षक जलधारा से प्रभावित होकर तैरने लगा, लेकिन जमाल और साहिल बांध की गहराई और उसमें मौजूद तेज धाराओं से अनजान थे। दोनों युवक धीरे-धीरे गहरे पानी में बह गए और मदद पहुंचने से पहले ही डूब गए। साथ मौजूद दोस्तों ने घटना की सूचना तुरंत स्थानीय प्रशासन को दी। सूचना मिलते ही लोनावला के शिवदुर्गा मित्र बचाव दल को मौके पर भेजा गया। पुलिस ने बताया कि तेज धाराओं और कठिन परिस्थितियों के बावजूद बचावकर्मी दोनों युवकों के शवों को खोजने में सफल रहे। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है। भुशी बांध लोनावला का एक अत्यंत लोकप्रिय पर्यटन स्थल है, जहां हर सप्ताहांत और छुट्टियों में बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। हालांकि, यहां पहले भी कई हादसे हो चुके हैं, जिससे यह स्थान पर्यटकों के लिए खतरे का कारण बनता जा रहा है। प्रशासन ने पर्यटकों से सावधानी बरतने और चेतावनियों का पालन करने की अपील की है।

सिजेरियन डिलीवरी के दौरान लापरवाही से महिला की मौत, परिजनों ने उठाई डॉक्टरों पर आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग

संवाददाता

औरंगाबाद। औरंगाबाद के जिला सामान्य अस्पताल में सिजेरियन डिलीवरी के दौरान कथित चिकित्सकीय लापरवाही के कारण २० वर्षीय महिला की दर्दनाक मौत हो गई। मृतका की पहचान विश्रांति नगर निवासी प्रियंका किरण गंगवे के रूप में हुई है। परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान लापरवाही के चलते उसकी आंतें फट गईं, जिसके कारण उसकी हालत बिगड़ती चली गई और अंततः इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। परिवार के सदस्य अनिल बरसावने ने बताया कि २ जून को प्रियंका ने जिला सामान्य अस्पताल में सिजेरियन ऑपरेशन के माध्यम से एक बच्चे को जन्म दिया था। प्रसव के बाद, उसके पेट में असामान्य रूप से सूजन आना शुरू हो गया, लेकिन डॉक्टरों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। अगले दिन, ३ जून को प्रियंका की बिगड़ती हालत को देखते हुए उसे औरंगाबाद के घाटी अस्पताल रेफर किया गया। वहाँ दो दिन तक इलाज चला और एक और आपातकालीन सर्जरी की गई, जिसमें डॉक्टरों ने परिवार को बताया कि उसकी आंतें फट चुकी थीं। परिजनों का आरोप है कि शुरू से ही अगर सही इलाज और ध्यान दिया गया होता, तो प्रियंका की जान बचाई जा सकती थी। तमाम चिकित्सकीय प्रयासों के बावजूद प्रियंका की रविवार देर रात मौत हो गई। इस त्रासदी के बाद मृतका के परिवार ने जिला सामान्य अस्पताल के डॉक्टरों पर आपराधिक लापरवाही का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। प्रियंका की मौत से क्षुब्ध परिवार और स्थानीय लोग सोमवार दोपहर १२ बजे जिला सामान्य अस्पताल के सामने विरोध प्रदर्शन करने जा रहे हैं। उन्होंने घोषणा की है कि प्रियंका का शव भी प्रदर्शन स्थल पर लाया जाएगा ताकि प्रशासन और आम जनता के सामने यह मामला उजागर किया जा सके। परिजनों का कहना है कि यह कोई सामान्य चिकित्सकीय चूक नहीं, बल्कि घोर लापरवाही का मामला है, जिसकी कीमत एक युवा मां को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी।

प्रशासन की प्रतिक्रिया का इंतजार

फिलहाल प्रशासन की ओर से इस मामले पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। लेकिन बढ़ते जन आक्रोश और मीडिया की रुचि को देखते हुए उम्मीद की जा रही है कि इस मामले में जांच शुरू होगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर विचार किया जाएगा।

इंजीनियरिंग छात्रा की रहस्यमयी मौत में नया मोड़, दोस्त पर हत्या का मामला दर्ज

संवाददाता

अमरावती। अमरावती के गाडगे नगर इलाके में एक युवा इंजीनियरिंग छात्रा की मौत ने अब एक हत्या का रूप ले लिया है। ४ जून की रात को छात्रा अपने किराए के घर में फंदे से लटकी हुई पाई गई थी, जिसे प्रारंभिक रूप से आत्महत्या माना गया था। लेकिन अब पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और बहन की शिकायत के बाद यह स्पष्ट होता जा रहा है कि मामला आत्महत्या नहीं, बल्कि हत्या का हो सकता है। पुलिस ने मृतका की बहन की शिकायत पर उसके करीबी दोस्त प्रतीक शरद हिवसे (२४) के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की हत्या की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। लक्ष्मीनगर निवासी प्रतीक ने पुलिस को बताया था कि वह एक दोस्त के साथ छात्रा के कमरे में पहुंचा और उसे फांसी पर लटका हुआ पाया, जिसके बाद उसने आत्महत्या की आशंका जताई थी। हालांकि, मेडिकल रिपोर्ट में छात्रा के मस्तिष्क में गंभीर आंतरिक चोटें पाई गईं, जो इस आशंका को बल देती हैं कि उसकी मृत्यु फांसी से पहले ही हो चुकी थी। डॉक्टरों ने साफ संकेत दिए हैं कि यह सामान्य आत्महत्या नहीं हो सकती। इसके अलावा, गर्दन पर पाए गए निशान भी संदिग्ध हैं और किसी प्रकार की संघर्ष की आशंका को जन्म देते हैं। पीड़िता की बहन ने पुलिस को बताया कि प्रतीक को कुछ दिन पहले ही उसकी बहन ने एक 'सिर्फ दोस्त' के तौर पर घर पर मिलवाया था। अब बहन का दावा है कि प्रतीक का उसकी बहन के जीवन में संदेहास्पद और खतरनाक दखल था, जिसके चलते हत्या की आशंका गहराती जा रही है। गाडगे नगर पुलिस ने प्रतीक को हिरासत में ले लिया है, हालांकि उसने अभी तक अपना अपराध स्वीकार नहीं किया है। पुलिस अब मोबाइल डेटा रिकॉर्ड **(CDR)**, कॉल डिटेल्स और फोरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ा रही है। पुलिस सूत्रों का यह भी कहना है कि मोबाइल चैट्स से कथित रूप से रिश्ते का संकेत मिलता है, जिसकी दिशा में भी अब पड़ताल की जा रही है। इस बीच, पीड़िता की मौत से उसके पैतृक गाँव में शोक और आक्रोश का माहौल है। जिला अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के दौरान बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए और डॉक्टरों से तीखी बहस हुई।

जैसे ही यह सामने आया कि छात्रा की मौत संभवतः फांसी से पहले हुई थी, लोगों में आक्रोश और अधिक बढ़ गया। फिलहाल पुलिस मामले की तह तक जाने की कोशिश कर रही है, जिसमें जवाब ढूंढे जा रहे हैं कि आखिर छात्रा के मस्तिष्क में चोट कैसे आई? क्या घटना से पहले कोई संघर्ष हुआ था? और अगर यह हत्या है, तो इसका मकसद क्या था? जांच के आने वाले दिनों में इन प्रश्नों के उत्तर अहम साबित होंगे।

अंधेरी वेस्ट में सफाई सेवा के नाम पर महिला से 99,000 रुपये की साइबर ठगी

संवाददाता

मुंबई। मुंबई के अंधेरी वेस्ट इलाके से साइबर ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें एक मधुमेह शिक्षक महिला को सफाई सेवा की बुकिंग के बहाने फर्जी मोबाइल एप्लिकेशन डाउनलोड करवा कर ९९,००० रुपये से अधिक की चपत लगा दी गई। यह धोखाधड़ी 'अर्बन क्लब' नाम के एक नकली प्लेटफॉर्म के जरिए की गई, जिसे असली सेवा प्रदाता 'अर्बन क्लैप' जैसा दिखाया गया था। पीड़िता ऑनलाइन अपने ऑफिस के लिए सफाई सेवा तलाश रही थी, तभी उसे 'अर्बन क्लब' नाम का एक प्लेटफॉर्म दिखा। उसी समय एक अज्ञात व्यक्ति ने उसे फोन कर खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताया और सेवा बुकिंग के लिए एक विशेष मोबाइल ऐप डाउनलोड करने के लिए कहा। कॉल करने वाले की बातों पर भरोसा करते हुए महिला ने निर्देशित ऐप इंस्टॉल कर लिया। इसके बाद आरोपी ने दो भुगतान करने को कहा-पहला ६०० रुपये और दूसरा केवल ९ रुपये का, यह कहते हुए कि ये ट्रायल प्रक्रिया के लिए आवश्यक हैं। महिला ने ९ रुपये का ळझ्ः ट्रांजेक्शन जैसे ही किया, उसके मोबाइल डिवाइस और बैंकिंग डिटेल्स जालसाजों के नियंत्रण में आ गईं। ठगी का खुलासा अगले दिन हुआ, जब वह एक अन्य बैंकिंग कार्य के लिए बैंक गई और उसे बताया गया कि उसके खाते से ९९,००० रुपये गायब हो चुके हैं। इस सूचना के बाद महिला ने ओशिवारा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। इस बीच, मुंबई पुलिस और साइबर क्राइम सेल ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी थर्ड-पार्टी ऐप को इंस्टॉल करने से पहले पूरी जांच करें, अनजान नंबरों से आई कॉल पर किसी भी प्रकार की बैंकिंग जानकारी साझा न करें, और केवल आधिकारिक वेबसाइट्स या एप्लिकेशन्स के माध्यम से ही सेवाओं का उपयोग करें।

Court order compliance, flood prevention efforts and political crossfire: Delhi CM defends Madrasi camp demolition

New Delhi: Lieutenant General Rajiv Ghai, the prominent face who publicly articulated the Indian Army's actions during the intense Operation Sindoor, has been strategically promoted to the pivotal role of Deputy Chief of Army Staff (Strategy), Monday.

Sources confirm that he will also retain his current crucial appointment as Director General Military Operations (DGMO), signalling a consolidation of key operational and strategic commands under his leadership.

Ghai gained national recognition as one of the senior officials who briefed the media following the four-day military confrontation with Pakistan. Operation Sindoor saw India launch precision strikes on terror and military installations across Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir (PoK), a direct response to the Pahalgam terror attack that claimed 26 lives. In his expanded responsibilities, Lt Gen Ghai will now oversee critical verticals including military operations, military intelligence, strategic planning, and information warfare. This strategic elevation comes shortly after he was awarded the prestigious Uttam Yudh Seva Medal by President Droupadi Murmu, recognising his exceptional leadership as the commander of the Srinagar-based HQ 15 Corps during the recent conflict. During the escalating tensions, Ghai, alongside his counterparts from the Indian Air Force and Navy, addressed the media twice, on May 11th and 12th. His diplomatic prowess was evident in the successful de-escalation of hostilities. The understanding between India and Pakistan to cease military actions was announced on the evening of May 10th, following direct communication between Ghai and his Pakistani counterpart, Major General Kashif Abdullah, via the hotline. They reaffirmed this truce on May 12th, discussing confidence-building measures such as adhering to a "not a single shot" policy and exploring troop reduction in forward areas. In his May 11th briefing, Lt Gen Ghai had emphasised that India's actions were "focused, measured and non-escalatory," while unequivocally asserting that any threat to the nation's sovereignty, territorial integrity, or citizens' safety would be met with "decisive force."

Manipur: Protestors threaten to self emulate; pours petrol on themselves

Imphal: Manipur's volatile situation deteriorated significantly following the arrest of leaders from the Meitei organisation Arambai Tenggol. This arrest triggered widespread protests and violent clashes between protesters and security forces in Imphal on Saturday evening. The demonstrators were pouring petrol on themselves and threatening self-immolation. The unrest saw arson, road blockades, and clashes with security forces, prompting a five-day internet suspension in five valley districts. In response, authorities imposed a complete curfew in Bishnupur district, effective from 11 pm Saturday, and suspended internet and mobile data services for five days across five districts: Imphal West, Imphal East, Thoubal, Kakching, and Bishnupur. District Magistrates issued prohibitory orders restricting gatherings of four or more people in Imphal West, Imphal East, Thoubal, and Kakching districts. The arrest of Kanan Singh, identified as the chief commander of Arambai Tenggols' operational group, appears to have been a key catalyst for the unrest. Criticism has been levelled at the authorities for the perceived inadequate security arrangements during the transfer of Singh and four other individuals. Reports suggest that the convoy transporting the detainees was overwhelmed by protesters near Khwairamband, resulting in injuries and damage to property, including a security bus being burned. The handling of the situation has drawn sharp criticism from various political parties. Congress MP Priyanka Gandhi expressed serious concerns, highlighting the ongoing violence, deaths, displacement, and the government's apparent inability to restore peace, despite President's Rule being in effect. Twenty-five MLAs and one MP met with Governor Ajay Kumar Bhalla to voice their concerns directly.

'BJP IT cell knows poll dates before Election Commission': Tejashwi Yadav

Patna: Rashtriya Janata Dal (RJD) leader Tejashwi Yadav on Sunday launched a scathing attack on the BJP-led Central government. The young leader alleged that since PM Narendra Modi came to power in 2014, all constitutional institutions have been "hijacked". He also attacked the BJP's IT Cell.

BJP's IT Cell knows poll dates before EC: Yadav

Tejashwi Yadav was quoted by the Times of India as saying, "You all know that after 2014, since Narendra Modi became PM, all the constitutional institutions have been hijacked. BJP IT Cell knows the dates of the election, even before the Election Commission announces it. We are keeping an eye on the matter. But the constitutional institutions should function honestly. If they are influenced, there wouldn't be any justice."

The statement of Yadav came just a day after Congress leader Rahul Gandhi attacked the EC and raised questions regarding alleged misconduct on the part of the institution, during the Maharashtra Assembly elections.

Tejashwi Yadav also brought up the 2020 Bihar Elections. Alleging that the Election Commission had deliberately stopped counting in the evening and resumed it at night, Yadav claimed anomalies in the election results. He claimed that those candidates who were initially announced as winners, were later declared the losers by the Election Commission. Yadav's remarks follow allegations of "match fixing" by the Commission in the Maharashtra Elections, by Leader of Opposition Rahul Gandhi. He had said that the "same blueprint will be used in Bihar, where elections are due later this year."

Air travellers vying to click Chenab bridge pic after pilots make special announcement

New Delhi: The world's highest rail bridge on the Chenab river in Jammu and Kashmir, inaugurated by Prime Minister Narendra Modi on June 6, has become a craze among air travellers flying to Srinagar.

According to a press statement issued by the railway ministry, flight pilots are making special announcements and passengers are showing eagerness to capture photographs of the Chenab Bridge, the world's highest railway-arch bridge. "The Chenab Bridge draws admiration from every altitude, where pride rises from the earth and echoes through the clouds," Dilip Kumar, Executive Director, Information and Publicity, Railway Board, said on Sunday.

"These days, every flight that passes over the majestic valleys of Jammu and Kashmir witnesses a truly special moment. As the aircraft approaches the Chenab valley, the pilot's voice echoes through the

cabin: 'Below you is the world's tallest railway-arch bridge, the Chenab Bridge'," he added. The moment the announcement is made, passengers rush to the windows and start recording videos and clicking pictures of this historic marvel on their mobile phones.

"A wave of pride sweeps through the cabin -- passengers clap, smile and share words of admiration for the brilliance of Indian engineering," the press note said.

Days after its formal inauguration, even down below, the enthusiasm is equally contagious, it added.

Railway officials stated that locals from nearby villages and mountainous regions are seen taking photographs and recording videos of the bridge from different vantage points. "Some are live-streaming the moment, while others are sharing it instantly across Instagram and Facebook," an official said.

According to Kumar, while flights soaring through the skies have become viewing galleries of the Chenab Bridge, people on the ground are busy capturing the awe-inspiring creation, preserving a piece of history to share with future generations. "It is a historic moment where India carved through the Himalayas to script an engineering triumph," Kumar said.

Part of the ambitious Udhampur-Srinagar-Baramulla Rail Link (USBRL) project, the Chenab Bridge is the highest railway-arch bridge in the world.

अजितदादांनी शरद पवारांच्या बाजूला बसणं टाळलं; मंचावर येताच काय केलं? त्या एका कृतीची महाराष्ट्रात चर्चा!

मुंबईः राज्यात सध्या मनसे आणि शिवसेनेच्या युतीसह दोन्ही राष्ट्रवादीची युती होणार असल्याची चर्चा सुरु आहे. अशातच आज अजित पवार आणि शरद पवार हे पुण्यातील वसंतदादा शुगर इन्स्टिट्यूट येथील एका कार्यक्रमात एकत्र आले होते.यावेळी या दोघांमध्ये काही संवात होतो का याकडे सर्वांचे लक्ष लागले होते, मात्र यावेळी अजितदादांच्या एका कृतीने सर्वांचे लक्ष वेधून घेतलं आहे. याबाबत माहिती जाणून घेऊयात.

अजित पवारांनी शरद पवारांच्या शेजारी बसणं टाळलं..

पुण्यात एआय तंत्रज्ञानाशी संबंधित कार्यक्रमाचे आयोजन करण्यात आले होते. या कार्यक्रमासाठी अजित पवार आणि शरद पवार हे उपस्थित होत. यावेळी स्टेजवर दोन्ही नेत्यांची बैठकव्यवस्था ही एकमेकांच्या शेजारी करण्यात आली होती. मात्र, अजित पवारांनी शरद पवाराच्या शेजारी बसणं टाळलं. अजित पवारांनी शरद पवारांच्या शेजारी असलेली आपली नेमप्लेट उचलली आणि तिथे सहकारमंत्री बाबासाहेब पाटील यांची नेमप्लेट ठेवली. यामुळे बाबासाहेब पाटील हे शरद पवारांच्या शेजारी बसले आणि अजित पवार हे

पाटील यांच्या डाव्या बाजुला बसले. अजित पवारांच्या या कृतीची चर्चा आता सर्वत्र होत आहे.

याआधीही अजित पवारांनी शरद पवारांच्या शेजारी बसणं टाळलं होतं. २३ जानेवारी २०२५ रोजी याच व्हीएसआयच्या मंडपात अजित पवारांनी बैठक व्यवस्था बदलली होती. आता सहा महिन्यांनी याच घटनेची पुनरावृत्ती झाली आहे, त्यामुळे राजकीय चर्चांना उधाण आलं आहे.

दोन्ही राष्ट्रवादी एकत्र येणार - मिटकरी

अजित पवार गटाचे आमदार अमोल मिटकरी यांनी दोन्ही राष्ट्रवादीच्या एकत्रिकरणावर भाष्य केलं होतं. एकत्रिकरणाचा अद्याप कोणताही प्रस्ताव नाही. पण पांडुरंगाची इच्छा असली तर आषाढी-एकादशीपर्यंत काहीतरी होईल. 10 जून रोजी पुण्यात पक्षाचा मेळावा होणार आहे. त्यामुळे 10 तारखेपर्यंत सर्वांना वाट पाहावी, असं विधान मिटकरींनी केलं होत.

सुप्रिया सुळेंनेही दिले होते संकेत

दोन्ही राष्ट्रवादीच्या एकत्रिकरणावर बोलताना खासदार सुप्रिया सुळे यांनी म्हटले होते की, हा फक्त माझाच निर्णय नाही. याबाबत पक्षातर्फे निर्णय घेतला जाईल. गेल्या सहा दशकांपासून महाराष्ट्राने शरद पवार यांच्या कामाची पद्धत पाहिलेली आहे. शरद पवार जो निर्णय घेतात किंवा जे मार्गदर्शन करतात ते लोकशाही पद्धतीनेच होते. त्यामुळेच पक्षाचा जो काही निर्णय असेल तो पक्षातील शेवटच्या कार्यकत्यार्ला विश्वासात घेऊनच घेतला जाईल. कोणताही निर्णय आम्ही आतापर्यंत एकाधिकारशाहीने घेतलेला नाही. यापुढेही कोणताही एकर्तफी निर्णय होणार नाही.

शेवटी पैलवानानं ठाकरेंची साथ सोडली, चंद्रहार पाटलांचा शिंदे गटात जाहीर प्रवेश!

मुंबईः गेल्या अनेक दिवसांपासून सांगलीतील उद्धव ठाकरे गटाचे नेते चंद्रहार पाटील हे ठाकरे यांची साथ सोडून एकनाथ शिंदे यांच्या शिवसेनेत प्रवेश करणार आहेत, अशी चर्चा रंगली होती. गेल्या काही दिवसांपासून घडत असलेल्या घडामोडी पाहता चंद्रहार पाटील यांचा शिंदे गटातील प्रवेश सोहळा फक्त एक औपचारिकता म्हणून राहिला होता. शेवटी आता चंद्रहार पाटील यांनी उद्धव ठाकरे यांची साथ अधिकृतरित्या सोडली असून त्यांनी एकनाथ शिंदे यांच्या शिवसेनेत जाहीर प्रवेश केला आहे. यावेळी त्यांनी मी पक्षवाढीसाठी काम करणार आहे, असे सांगितले. पक्षप्रवेश झाल्यानंतर चंद्रहार पाटील यांनी उपस्थितांशी संवाद साधला. माज्या पक्षप्रवेशासाठी ज्यांनी अट्टहासाने प्रयत्न केले. मी एकनाथ शिंदे यांच्या नेतृत्त्वाखाली काम करावे, अशी राम रेपाळे, शरद कणसे काका यांची इच्छा होती. त्यांचे मी आभार मानतो, अशा भावना चंद्रहार पाटलांनी यावेळी पक्षप्रवेशावेळी व्यक्त केल्या. उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे यांच्या उपस्थितीत चंद्रहार पाटील यांचा शिवसेनेत प्रवेश झाला. यावेळी इतरही बडे नेते, कार्यकर्ते उपस्थित होते.

सांगलीची माणसं चांगली असतात. चंद्रहार पाटील आज आपल्या पक्षात आले. मी तुमची अगोदरची जागा चुकली असं म्हणणार नाही. पण शेतकऱ्याच्या मुलाला पराभूत करण्यासाठी सर्वांनी एकजूट केली, असं तुम्ही सांगितलं. मीदेखील एक शेतकऱ्याचाच मुलगा आहे. मी मुख्यमंत्री झाल्याचे अनेकांना पचनी पडलेलं नाही. सांगलीचा ढाण्या वाघ आता खऱ्या जंगलात आला आहे, असे एकनाथ शिंदे यावेळी म्हणाले. तसेच, वाघाचं कातडं पांघरून लांडगा वाघ होत नाही. ज्यांनी बाळासाहेबांचे विचार पायी तुडवले, त्यांना आता त्या कृतीची प्रचिती आली आहे. माज्या पक्षात कोणीही नोकर नाही, मालक नाही. जो काम करेल तो पुढे जाईलत, असे सांगत त्यांनी आपल्या कार्यकर्त्यांना काम करत राहण्याचीही सूचना केली.दरम्यान, 2024 सालच्या लोकसभा निवडणुकीत ठाकरेंच्या शिवसेनेने चंद्रहार पाटील यांना सांगली या मतदारसंघातून उमेदवारी दिली होती. या जागेसाठी काँग्रेस आणि ठाकरेंची शिवसेना यांच्यात चांगलीच रस्सीखेच झाली होती. शेवटपर्यंत दोन्ही पक्षांनी ही जागा मिळवण्यासाठी प्रयत्न केला होता.

इन्फ्लुएन्सर शर्मिष्ठा पानोलीविरुद्ध गुन्हा दाखल करणाऱ्या व्यक्तीला अटक, नेमकं काय आहे प्रकरण?

नई दिल्ली: सोशल मीडिया इन्फ्लुएन्सर शर्मिष्ठा पनोली हिच्याविरोधात पोलिसांत तक्रार देणाऱ्या व्यक्तीला कोलकाता पोलिसांनी अटक केली आहे. या तक्रारीनंतरच कारवाई करत पोलिसांनी तिला अटक केली होती. दरम्यान कायद्याचे शिक्षण घेत असलेल्या पनोलीला २१ मे रोजी गुरुग्राम येथून अटक करण्यात आली होती. तर तिच्याविरोधात तक्रार देणारा वजाहत खान कथितपणे १ जून पासून फरार होता. पोलिसांनी खान याला अनेक समन्स पाठवले होते, मात्र त्याने त्याकडे दुर्लक्ष केले. त्यानंतर त्याला शोधण्यासाठी छापेमारी करण्यात आली, ज्यादरम्यान त्याला बेड्या ठोकण्यात आल्या आहेत.

खान याच्या विरोधात सोशल मीडियाच्या माध्यमातून द्वेष पसरवणे आणि धार्मिक भावना दुखावल्याच्या आरोपाखाली कोलकाताच्या गोल्फ ग्रीन पोलीस ठाण्यात गुन्हा नोंदण्यात आला होता. एफआयआर दाखल झाल्यानंतर पोलिसांनी खान याला गार्डनर रीच येथील त्याच्या घरी तीन नोटीसा पाठवल्या होत्या ज्यामध्ये त्याला चौकशीसाठी बोलावण्यात आले होते, पण अटक होईपर्यंत खान हा फरार राहिला.

दुसरीकडे शर्मिष्ठा पनोलीने सोशल मीडियावर पोस्ट केलेल्या एका व्हिडीओवर तीव्र नाराजी व्यक्त करण्याऱ्या प्रतिक्रिया आल्यानंतर तिला कोलकाता पोलिसांनी गुरुग्राम येथून अटक केली होती. .पनोलीने तिच्या व्हिडीओमध्ये ऑपरेशन सिंदूरबद्दल मौन बाळगल्याच्या मुद्द्यावर मुस्लिम बॉलिवूड कलाकारांवर टीका केली होती, ज्यामध्ये तिने आक्षेपार्ह भाषा वापरली होती. त्यानंतर तिला मॅजिस्ट्रेटसमोर हजर करण्यात आले आणि तिला १४ दिवसांच्या न्यायालयीन कोठडीत पाठवण्यात आले. दरम्यान टीका झाल्यानंतर पनोलीने सोशल मीडियावरून तो व्हिडीओ डिलिट केला होता, इतकेच नाही तर जाहीर माफी देखील मागितली. दरम्यान शर्मिष्ठा पनोलीला अटक झाल्यापासून खान बेपत्ता असल्याचे सांगितले जात होते. त्याचे वडील सआदत खान यांनी वजाहत हा घरी परतला नसल्याचे सांगितले.

मेघालयमध्ये मृतदेह सापडलेल्या राजा रघुवंशीचा मृत्यू कशाने झाला? शवविच्छेदनात समोर आली धक्कादायक माहिती

नई दिल्ली: इंदोरमधील नवविवाहित दाम्पत्य सोनम व राजा रघुवंशी सध्या चांगलेच चर्चेत आहे. या पैकी राजा याची मेघालय येथे हत्या झाल्याचे उघड झाली आहे. २ जून रोजी त्याचा मृतदेह सापडल्यानंतर बेपत्ता असलेली सोनम ही आता उत्तर प्रदेशच्या गाझीपूर येथे सापडली आहे. महत्त्वाचे म्हणजे सोनमनेच तिचा पती राजा याची हत्या केल्याचा दावा पोलिसांकडून केला जात आहे.

इंदोरमधील रहिवासी असलेला राजा रघुवंशी हा त्याच्या पत्नीबरोबर मेघालय येथे हनिमूनसाठी गेला होता, पण यादरम्यान त्याचा मृतदेह आढळून आला होता. दरम्यान मृत्यूचे कारण शोधण्यासाठी शवविच्छेदन केले असता धक्कादायक माहिती समोर आली आहे. त्याच्या शरीरावर अनेक धारधार जखमा आढळून आल्या आहेत. यापैकी दोन जखमा या त्याच्या डोक्यावर असून यापैकी एक ही पुढील तर एक मागील बाजूने असल्याचे आढळून आले आहे. इंडिया टुडेने यासंबंधीचे वृत्त दिले आहे. राजा आणि त्याची पत्नी सोनम रघुवंशी हरवल्याची तक्रार देण्यात आल्यानंतर त्यांचा शिलाँगच्या डोंगराळ भागात शोध घेतला जात होता. यादरम्यान काही दिवस हा शोध घेतल्यानंतर अखेर राजा याचा मृतदेह जंगलात आढळून आला होता. यानंतर हे प्रकरण गूढच राहिले, पण राजा आणि सोनम दोघेही बेपत्ता झाले असावेत अशी चर्चा सुरू असतानात शोध पथकाला पतीचा मृतदेह सापडल्यानंतर त्यामुळे यासंबंधीचे गूढ अधिकच वाढल्याचे पाहायला मिळाले.

पण या प्रकरणाचा उलगडा झाला जेव्हा सोमवारी सोनम उत्तर प्रदेश पोलिसांसमोर गाझिपुर येथे हजर झाली. चेरापुंजीच्या जंगलात तिच्या पतीची मृतदेह आढळून आल्यानंतर तब्बल एक आठवडा उलटल्यानंतर सोनम पोलिसांसमोर हजर झाली.

मेघालय पोलिसांचे वरिष्ठ अधिकाऱ्यांनी इंडिया टुडेशी बोलताना सांगितले की सोनमने (२४) सुपारी देऊन तिच्या पतीची हत्या घडवून आणली आणि तिचे एका राज कुषवाह या व्यक्तीबरोबर प्रेमसंबध होते. हत्या केल्याप्रकरणी अटक करण्यात आलेल्या चार जणांमध्ये राजचा देखील समावेश आहे. तर उर्वरित तीन जण आकाश राजपूत, विकास उर्फ विकी आणि आनंद हे आहेत. सोनम आणि तिचा पती हे दोघे गेल्या महिन्यात मेघालयमध्ये आले होते आणि २३ मे पासून ते बेपत्ता होते. टुरिस्ट गाईडने पोलिसांना सांगितले की त्याने या दोघांना इतर तीन जणांबरोबर पाहिले होते. त्याच्या १० दिवसांनंतर २ जून रोजी राजा रघुवंशी याचा मृतदेह खोल दरीत आढळून आला होता आणि त्यांनी भाड्याने घेतलेली स्कूटर देखील मावलाखीयत पार्किक लॉटपासून कितीतरी किलोमीटर दूर सोहरारिम येथे चावी लावलेल्या अवस्थेत बेवारस पडलेली आढळली होती.ते.

क्रिकेटर रिंकू सिंह से सगाई के बाद इमोशनल हुई प्रिया सरोज

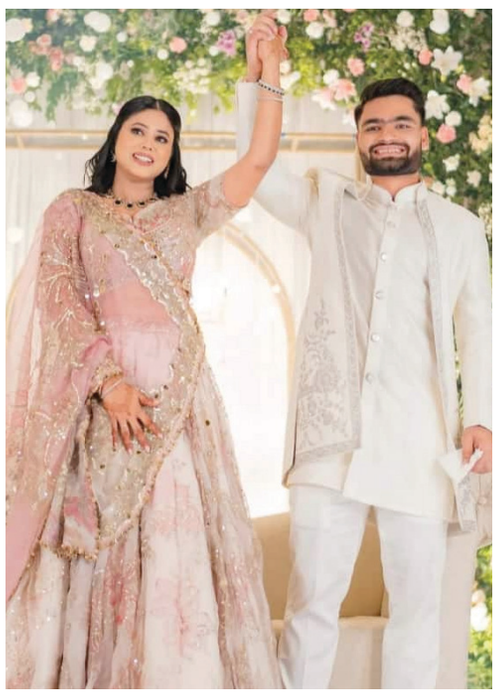

क्रिकेटर रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज ने 8 जून यानी रविवार को सगाई रचा ली है। दोनों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छा गई हैं। वहीं सगाई के दौरान इमोशनल हुई प्रिया का वीडियो देखकर सब भावुक हो गए। दोनों को उनके फैंस द्वारा खूब प्यार मिल रहा है। वहीं सगाई के बाद सांसद प्रिया सरोज ने अपनी सगाई को लेकर काफी इमोशनल पोस्ट शेयर की है। चलिए जानते हैं, उन्होंने क्या कुछ लिखा। रविवार को एक दूजे के हुए क्रिकेटर रिंकू सिंह और सांसद प्रिया सरोज की सगाई लखनऊ के फाइव स्टार हॉटेल Centrum में हुई। दोनों की खूबसूरत जोड़ी ने जमकर सुर्खियां लूटी हैं। परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में दोनों की सगाई हो गई। सगाई की तस्वीरें और वीडियोज कल रात से ही सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। दोनों की जोड़ी बड़ी खूबसूरत लग रही है। वहीं एक वीडियो में रिंग पहनाते वक्त सांसद प्रिया सरोज इमोशनल हो गईं। स्टेज पर प्रिया कई बार इमोशनल हुईं। वहीं सगाई के बाद प्रिया ने अपने अकाउंट एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में प्रिया ने बताया कि उन्हें 3 साल से इस सुनहरे पल का इंतजार था। प्रिया सरोज ने अपनी सगाई की फोटोज शेयर करते हुए लिखा- यह दिन हमारे दिलों में बहुत समय से बसा हुआ है, लगभग 3 साल से और इंतजार का हर पल सार्थक था। पूरे दिल और हमेशा के लिए सगाई की है। बता दें कि प्रिया सरोज समाजवादी पार्टी से सांसद हैं। उन्होंने 2024 में के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के टिकट पर मछलीशहर की सीट पर जीत हासिल की है। प्रिया सरोज समाजवादी पार्टी के नेता तूफानी सरोज की बेटी हैं। तूफानी सरोज 3 बार लोकसभा सांसद रह चुके हैं।

कौन हैं ये हॉउसफुल 5 की एक्ट्रेस

कॉमेडी, सस्पेंस और ग्लैमर से भरपूर फिल्म हाउसफुल 5 लोगों को काफी पसंद आई रही हैं। अपने रिलीज के बाद फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया है। लेकिन फिल्म में शामिल इस एक्ट्रेस की हर तरफ चर्चा हो रही है। हर कोई जानना चाहता है कि आखिर ये एक्ट्रेस है कौन। अपने लीड डेब्यू से एक्ट्रेस ने हर किसी को हैरान कर दिया है। हाउसफुल 5 एक मल्टीस्टारर फिल्म है। ऐसे में बड़े-बड़े सितारों संग नजर आ रही ये हसीना है कौन, ये सवाल हर किसी के मन में आ रहे हैं। अक्षय कुमार जैसे सुपरस्टार संग अपना लीड डेब्यू करने वाली ये एक्ट्रेस कोई और नहीं एक्ट्रेस सौंदर्या शर्मा हैं, जिन्होंने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म हाउसफुल 5 से अपने फिल्मी करियर की शुरूआत की है।

फिल्म के रिलीज के बाद से ही सौंदर्या शर्मा काफी सुर्खियां बटोर रही हैं। इंटरनेट पर इनकी ही चर्चा हो रही है। चलिए आपको एक्ट्रेस के बारे में कुछ दिलचस्प बाते बताते हैं। एक्ट्रेस सौंदर्या शर्मा दिल्ली से आती हैं। एक्टिंग की दुनिया में आने से पहले वो डॉक्टर बनना चाहती थीं, लेकिन उनकी किस्मत कुछ और ही थी। मेडिकल की पढ़ाई के बाद उन्होंने अपना बेस्ट दिया और एक्टिंग की दुनिया में आ गई।

एक्ट्रेस को उनका पहले ब्रेक साल 2017 में फिल्म रांची डायरीज में मिला। लेकिन ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर सकी, लेकिन सौंदर्या सबकी नजर में आ गईं। इसके बाद एक्ट्रेस ने धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपना पैर जमाना शुरू कर दिया। सौंदर्या ने म्यूजिक वीडियो और वेब सीरीज में काम किया। फिर उन्हें रियालिटी शो बिग बॉस 16 में भी जाने का मौका मिला, जहां उन्हें काफी पॉपुलैरिटी मिली। म्यूजिक वीडियो और सीरीज तक अटकी सौंदर्या का असली सपना पूरा हाउसफुल 5 फिल्म में शामिल होने के बाद हुआ। इतनी बड़ी फिल्म में लीड एक्ट्रेस के तौर पर शामिल होना उनके लिए बहुत बड़ी बात है। इस फिल्म से एक्ट्रेस को खूब तारीफें मिल रही हैं। इतनी बड़ी और मल्टी स्टारर फिल्म में काम करने पर सौंदर्या काफी खुश हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया द्वारा अपनी खुशी भी जाहिर की है। अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट्स में उन्होंने इस मौके को 'जिंदगी का सबसे बड़ा मोड़' बताया।

दूसरी बार प्रेग्नेंट हैं मसाबा गुप्ता?

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस नीना गुप्ता की बेटी और डिजाइनर मसाबा गुप्ता हाल ही में मां बनी थीं। उन्होंने कुछ महीने पहले ही अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था। लेकिन अब फिर वह कुछ महीनों बाद दूसरी प्रेग्नेंसी की खबरों को लेकर चर्चा में आ गई हैं। हाल ही में उनका एक वीडियो वायरल हुआ, जिसने इन अटकलों को हवा दे दी है। फैंस से लेकर मीडिया तक हर कोई अब यही सवाल पूछ रहा है- क्या मसाबा गुप्ता फिर से मां बनने वाली हैं?

दरअसल, बीते दिन सोनम कपूर ने अपने 40वें बर्थडे पर पार्टी आयोजित की, जहां बॉलीवुड और फैशन इंडस्ट्री की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं। पार्टी में करीना कपूर, जान्हवी कपूर, शिल्पा शेट्टी, और अन्य बड़े सितारों के साथ-साथ मसाबा गुप्ता भी अपने पति सत्यदीप मिश्रा के साथ पहुंची।

जब कपल पार्टी से बाहर निकला और पैपराजी के सामने पोज दिए, तभी से लोगों का ध्यान मसाबा के लुक पर गया, जिसने इन अटकलों को जन्म दिया। मसाबा ने पार्टी में ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस पहनी थी, जिसके ऊपर उन्होंने एक जैकेट भी कैरी की हुई थी। हालांकि, इस आउटफिट में उनका पेट थोड़ा उभरा हुआ नजर आ रहा था, जिसे देखकर कई लोगों ने अनुमान लगाना शुरू कर दिया कि क्या वह दूसरी बार प्रेग्नेंट हैं?

इस वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होते ही मसाबा की प्रेग्नेंसी को लेकर तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गईं। कुछ यूजर्स ने तो सीधे तौर पर उन्हें बधाई देना शुरू कर दिया, वहीं कुछ ने इसे केवल एक गलतफहमी बताया।

आर माधवन के हाथ लगी एसएस राजामौली की 1000 करोड़ी फिल्म

'बाहुबली' और RRR जैसी सुपरहिट फिल्मों के बाद अब फैंस को एसएस राजामौली की अगली फिल्म का इंतजार है। वो महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा के साथ एक जंगल एडवेंचर बना रहे हैं। अब खबर आई है कि इसमें 'रहना है तेरे दिल में' एक्टर आर माधवन की एंट्री हो गई है।

जी हां, आर माधवन इस 1,000 करोड़ की एपिक मूवी में दमदार रोल निभा सकते हैं। हालांकि मेकर्स ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है। इस फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं। ये पहली बार होगा जब राजामौली और माधवन साथ में काम करेंगे। बात करें राजामौली की फिल्म की तो इसके बारे में सबकुछ काफी सीक्रेट रखा जा रहा है। इसमें एक्शन-एडवेंचर होगा। राजामौली ने 2024 में केन्या में एक लोकेशन भी देखा था जहां फिल्म का कुछ हिस्सा फिल्माया जाएगा। आर माधवन SSMB29 के अलावा 'आप जैसा कोई' प्रोजेक्ट पर भी काम कर रहे हैं। इसमें उनके साथ फातिमा सना शेख भी हैं। ये मूवी नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

सलमान की इस फिल्म में धर्मेंद्र ने फ्री में किया था काम, सलीम खान ने बेटे को दी थी ये खास सलाह

हिंदी सिनेमा हो या फिर साउथ सिनेमा हो आज के दौर में स्टार्स एक फिल्म के लिए मोटी तगड़ी रकम लेते हैं। बड़े-बड़े सुपरस्टार्स अपनी एक फिल्म के लिए 200 से 300 करोड़ रुपये चार्ज कर रहे हैं। हालांकि, कई सुपरस्टार्स ऐसे भी रहे हैं जिन्होंने कुछ फिल्मों में बिना कोई फीस लिए फ्री में काम किया है। हिंदी सिनेमा के दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र का नाम भी इस लिस्ट में शामिल हैं। धर्मेंद्र फिल्म प्यार किया तो डरना क्या में बिना पैसे लिए काम कर चुके हैं। प्यार किया तो डरना क्या 27 साल पहले आई थी। इसके डायरेक्ट सलमान खान के सबसे छोटे भाई सोहेल खान थे। जब फिल्म में उन्होंने धर्मेंद्र को साइन किया था तो उनके पिता और मशहूर राइटर सलीम खान ने अपने बेटों को धर्मेंद्र को लेकर खास सलाह दी थी। 27 मार्च 1998 को रिलीज हुई इस फिल्म के डायरेक्शन की बागडोर जहां सोहेल खान ने संभाली थी तो वहीं सलमान खान और अरबाज खान ने इसमें बतौर एक्टर काम किया था। वहीं इसका हिस्सा काजोल, अंजली जावेरी, किरण कुमार और अशोक शराफ जैसे कलाकार भी थे। खान फैमिली ने इसके लिए धर्मेंद्र को भी अप्रोच किया था।

स्कॉलरशिप पर कम पैसों में पूरा भारत घुमाएगी ये ट्रेन, 15 दिन की है ट्रिप, जानें कैसे जाएं

दुनियाभर में ट्रेवल्स की कोई कमी नहीं है। ज्यादातर लोगों को घूमना पसंद होता है तो वहीं कुछ तो घुमक्कड़ी प्रवृत्ति के ही होते हैं और पूरी दुनिया घूमना चाहते हैं, लेकिन सबसे पहले अपने देश को एक्सप्लोर करने से शुरूआत करनी चाहिए। कश्मीर से कन्याकुमारी तक हमारा देश प्राकृतिक खूबसूरती के साथ ही ऐतिहासिक विरासत से परिपूर्ण है, लेकिन सबसे जरूरी चीज होती है बजट। आप कितने भी पास की जगह चले जाएं कम से कम 5 से 10 हजार तो चाहिए ही होते हैं, लेकिन हम आपको बताएंगे आज एक ऐसी ट्रेन के बारे में जो आपको बहुत ही कम पैसों में पूरे भारत की यात्रा करवाती है। दरअसल इसमें एक चयन प्रक्रिया होती है, जिसके माध्यम से लोगों को चुना जाता है और स्कॉलरशिप के आधार पर आपको पैसे खर्च करने होते हैं, जिससे आप कम बजट में आपकी जर्नी 15 दिन की भारत की जर्नी कंप्लीट कर सकते हैं। इस ट्रेन में सफर करने के लिए आपको कुछ बातों के बारे में पहले ही जान लेना जरूरी है।

भारत में समंदर से लेकर पहाड़ों तक इतनी खूबसूरत जगहें भरी पड़ी हैं कि इन जगहों की सुंदरता की तारीफ करेंगे तो तुलना नहीं कर पाएंगे कि क्या ज्यादा सुंदर है और क्या कम। ट्रिप प्लानिंग की बात करें तो बहुत सारे लोग ऐसे हैं जो ऐतिहासिक और कला से पूर्ण जगहों को विजिट करना चाहते हैं तो कुछ को एडवेंचर पसंद होता है, लेकिन सबसे ज्यादा लोग मिलेंगे आपके नेचर लवर जो बस छुट्टियां लेकर

शांति से कुछ वक्त प्रकृति के बीच बिताना चाहते हैं। चलिए जान लेते हैं कि आप कैसे इस ट्रेन का सफर कर सकते हैं।

क्या है ट्रेन का नाम?

जो ट्रेन आपको पूरे भारत का भ्रमण करवाती है, उसका नाम है जागृति यात्रा। जैसी की इस ट्रेन का नाम है। यह ट्रेन एक खास उद्देश्य के तहत चलाई जाती है। इस ट्रेन से यात्रा करवाने के पीछे का मकसद है उद्यम के जरिए भारत का निर्माण करना। लोगों को उस भारत से रूबरू करवाना जो महानगरों की दुनिया से कहीं अलग है।

इतना लंबा होता है सफर

जागृति यात्रा ट्रेन का सफर 8 हजार किलोमीटर की लंबी दूरी तय करती है और आपकी ये जर्नी पूरे 15 दिन की होती है। इस ट्रेन को 2008 से शुरू किया गया था। इस ट्रेन को जागृति सेवा संस्थान ऑर्गेनाइजेशन के द्वारा चलाया जाता है। इस ट्रेन के लिए 525 यात्री चुने जाते हैं, जिसके लिए आवेदन करना होता है।

एज लिमिट तय की गई है?

इस ट्रेन के जरिए युवाओं को उद्योगों की जानकारी देना, उन्हें एक बढ़िया समझ देना, भारत के छोटे शहरों और गांवों से रूबरू करवाना और एक बढ़िया नेटवर्क प्रदान करना है। यही वजह है कि इस ट्रेन का सफर करने के लिए एज लिमिट तय की गई है। इसके लिए 21 साल से ज्यादा उम्र के लोग आवेदन कर सकते हैं। इस यात्रा के दौरान युवाओं को उद्यमिता से जुड़ी बारीकियों के बारे में एक्सपर्ट के द्वारा जानकारी दी जाती है।

कब चलती है ट्रेन, कैसे करें रजिस्टर

अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर ये ट्रेन कब चलती है तो बता दें कि जागृति यात्रा ट्रेन साल में एक बार चलाई जाती है। 2025 के लिए आप 'jagritiyatra.com' पर जाकर रजिस्टर कर सकते हैं, जिसमें आपको कुछ सवालों के जवाब मांगे जाते हैं। आप साइट से उनके नंबर के द्वारा भी कनेक्ट कर सकते हैं। यात्रा में होने वाले खर्च का योगदान संस्था की तरफ से किया जाता है। ये ट्रेन नवंबर में चलती है।

सुबह चेहरा धोने के बाद इस तरह लगाएं गुलाब जल

सुबह जब आप सोकर उठते हैं तो चेहरे पर आपको चिपचिपापन, ड्राइनेस या डार्क स्पॉट्स जैसी समस्याएं दिख सकती हैं। इसी तरह कई बार चेहरे पर सूजन भी दिखायी देती है। कई बार चेहरा धोने के बाद सूजन कम हो जाती है लेकिन, कुछ लोगों के चेहरे पर ये समस्याएं दिखती रही हैं। ऐसे में अगर आप चेहरा धोने के बाद गुलाब जल लगाएं तो स्किन पर नयी ताजगी आ सकती है। इसी तरह स्किन पर ग्लो लाने के लिए आप गुलाब जल को कुछ अन्य चीजों के साथ मिक्स करके भी लगा सकते हैं। आइए जामनते हैं चेहरा धोने के बाद गुलाब जल लगाने के तरीके।

फेस वॉश के बाद चेहरे पर गुलाब जल लगाएं। यह एक नेचुरल टोनर है और स्किन पर इसे अप्लाई करने से स्किन पर ग्लो आता है।

एलो वेरा जेल के साथ

यह मिक्स धूप में झुलसी स्किन के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। 2 चम्मच गुलाब जल में 2 चम्मच एलो वेरा मिक्स करें। इसे अच्छी तरह मिक्स करके अपने चेहरे पर लगाएं। 20-25 मिनट बाद साफ कर दें।

विटामिन ए के साथ

क्लीन और सॉफ्ट स्किन के लिए आप गुलाब जल में विटामिन ई मिक्स करके लगा सकते हैं। 2 चम्मच गुलाब जल में 1 विटामिन ई का कैप्सूल मिलाएं। इसे अपनी स्किन पर लगाएं और 15 मिनट बाद चेहरे को पानी से साफ कर दें।

चावल के पानी के साथ गुलाब जल

गुलाब जल और चावल के पानी को समान मात्रा में मिलाकर आप चेहरे पर लगाएं।

मुंह धोने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले पानी में गुलाब जल मिलाएं और उस पानी से चेहरा धोएं।

वट सावित्री पूर्णिमा 2025: बिना वट वृक्ष के अपनी पूजा कैसे करें सम्पन्न?.., कैसे मिलेगा पूजा का पूरा फल ?

वट सावित्री पूर्णिमा 2025: यह व्रत हर साल ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा को आता है। इस व्रत को सुहागने बड़े विधि-विधान से करती हैं। वैसे नियम के अनुसार इस दिन वट वृक्ष यानी कि बरगद के पेड़ की पूजा की जाती है, लेकिन आजकल शहरी परिवेश में कभी-कभार आसपास वट वृक्ष देखने को नहीं मिलते ऐसे में मुश्किल आ खड़ी होती है कि क्या किया जाए, अपने व्रत को पूरा कैसे करें और उसका पूरा फल भी प्राप्त कैसे करें, अक्सर सुहागिने इस परेशानी में रहती हैं। लेकिन आज इस खबर से आप अपनी इस परेशानी का निदान कर सकते हैं। इसमें बताये उपायों के अनुसार अगर आप पूजा करेंगे तो आपको बरगद के पेड़ की पूजा का ही फल मिलेगा। तो चलिए जानते हैं क्या है वो उपाय।

किसी भी कारणवश यदि आप बरगद के पेड़ की पूजा नहीं कर पा रहीं हैं तो आप एक छोटी टहनी या बरगद का छोटा पौधा नर्सरी से ला सकती हैं, उसे आप साफ पूजा स्थान पर रखें, चौकी पर सफेद कपड़ा बिछायें, साथ ही कच्चा सूट लपेटे। इस पर थोड़ा गंगाजल का छिड़काव करें। इसके बाद अब आप यहां उसके बाद आप उसे पौधे के इर्द-गिर्द सात फेरे बनाएं। ये फेरे आप हल्दी या कुमकुम से बना सकती हैं या फिर आप इसे चावल के आटे से भी बना सकती हैं। ऐसे पूजा करने से आप इस व्रत की पूजा का पूरा फल प्राप्त कर सकती हैं।

दूसरा उपाय, अगर नर्सरी से पौधा लाना भी संभव न हो तो आप बाजार से या फिर अपने कंप्यूटर से एक बरगद के पेड़ की तस्वीर निकाल सकती हैं। अपने पूजा के स्थान को गंगाजल और हल्दी के जल से पवित्र कर सकती हैं। उसके बाद वहां पर एक चौक पूर कर इस तस्वीर को स्थापित कर लें। चौकी पर गौरी और गणेश की स्थापना कर करें।

बरगद के पेड़ के अभाव में आप एक कलश में जल भरकर आम के पांच पत्ते रख सकती हैं साथ ही गौरी गणेश की पूजा करके अपनी पूजा का पूरा फल प्राप्त कर सकती हैं।

तीसरा उपाय आप मिट्टी के पार्थिव शिव और गौरा स्थापित कर सकती हैं और विधि विधान से उसकी पूजा भी कर सकती हैं। इसके साथ ही सबसे असरदार और सबसे आसान उपाय भी आपको बता देते हैं। अगर वट वृक्ष प्राप्त न हो सके तो आप अपनी तुलसी में ही पूजा कर सकती हैं। तुलसी के आसपास आप साथ पवित्र घेरी बना लें, गंगाजल छिड़ककर पूजा वाले स्थान को पवित्र कर लें। इस दिन तुलसी की पूजा से भी आपको उतना ही फल मिलेगा जितना वट वृक्ष की पूजा से मिलता है। तो अगर अब आप वट के पेड़ की पूजा नहीं कर पा रहीं तो फिक्र ना करें और इन उपायों को अपना के पूजा का पूरा फल प्राप्त करें।

कला दर्पण फाउंडेशन ट्रस्ट
साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक व शैक्षणिक संस्था

दिनदहाड़े बाइक सवारों ने एक परिवार को गोलियों से भूना, मां-बेटी की मौत, पिता घायल

संवाददाता

पटना। बिहार की राजधानी पटना में अपराधियों का तांडव एक बार फिर देखने को मिला है। जहां पटना सिटी के आलमगंज थाना क्षेत्र के न्यू अरफाबाद कॉलोनी में बाइक सवार अपराधियों ने एक परिवार को गोलियों से भून डाला है, जिसमे रिटायर्ड नर्स और उसकी बेटी की मौत हो गई है। जबकि घायल पति को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। वही इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी हुई है। वही घटना का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। चश्मदीदों के मुताबिक, कुछ अज्ञात हमलावर मकान में घुसे और ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं। घटना के बाद पूरे मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही आलमगंज थाना पुलिस और सिटी एसपी अखिलेश झा मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी है।

परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक महालक्ष्मी देवी एनएमसीएच में नर्स थीं। एक साल पहले ही रिटायर हुईं थीं। बेटी संथाली कुमारी पुणे में रहकर एयर होस्टेस की पढ़ाई कर रही थीं। पुलिस पूरे मामले को देखते हुए आस-पास के सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाल रही है।

पटना में दिनदहाड़े हुई इस घटना के बारे में पुरानी रंजिश बताई जा रही है। हालांकि इस बारे में अब तक पुलिस की तरफ से कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है।

नवम अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह 14 जून को, प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी गई जानकारी

संवाददाता

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। अभ्युदय सेवा संस्थान द्वारा नवम अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह समर्पण का आयोजन 14 जून 2025, शनिवार को किया जाएगा। यह आयोजन देश के वीर सैनिकों के शौर्य व अदम्य साहस को समर्पित होगा, जिसमें लगभग एक सैकड़ा सैनिकों एवं वीर नारियों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही जनपद की छिपी हुई प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय ख्यातिलब्ध कवियों के साथ मंच प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर साहित्य, शिक्षा, चिकित्सा, विधि, सामाजिक सेवा, कला आदि क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को भी सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के संबंध में शहर के पार्क व्यू पैलेस में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान अध्यक्ष डॉ. प्रभात सिन्हा ने बताया कि कार्यक्रम के स्वागताध्यक्ष हाई कोर्ट अधिवक्ता ओ.पी. तिवारी, स्वागत मंत्री राम तनेजा तथा कार्यक्रम प्रभारी प्रवीण मिश्र भानू होंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता ओ.पी. तिवारी ने बताया कि इस समारोह में वीर रस के प्रख्यात कवि डॉ. हरिओम पवार (दिल्ली), श्रृंगार रस की कवयित्री डॉ. रुचि चतुर्वेदी (आगरा), उन्नाव के सुपुत्र अंतरराष्ट्रीय गीतकार स्वयं श्रीवास्तव, हास्य कवि डॉ. सर्वेश अस्थाना (लखनऊ), अखिलेश

द्विवेदी (प्रयागराज), प्रवीण पांडेय 'प्रज्ञार्थी' (फिरोजाबाद), मधुप श्रीवास्तव 'नरकंकाल' (रायबरेली), देवेन्द्र प्रताप 'आग' (इटावा), अभिमन्यु शुक्ल 'तरंग' (सुल्तानपुर) काव्य पाठ करेंगे। स्वागत मंत्री राम तनेजा ने जानकारी दी कि जनपद की बेटी मीनाक्षी दिनेश एवं वरिष्ठ वीर रस कवि कमलेश शुक्ला 'कमल' भी शामिल होंगे। कार्यक्रम अध्यक्ष अखिलेश अवस्थी तथा मंच संचालक अनिरुद्ध सौरभ रहेंगे। संरक्षक डॉ. मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि समारोह में प्रवेश निःशुल्क रहेगा और सभी साहित्य प्रेमियों से अपील की कि वे शाम 8 बजे काव्यपाठ हेतु तथा सायं 6 बजे पूर्व सैनिकों और वीर नारियों के सम्मान हेतु कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। संस्था उपाध्यक्ष प्रेम सेंगर व डॉ. मनीष सेंगर ने देशभर से आमंत्रित शीर्षस्थ कवियों को सुनने की अपील करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। आभार संस्था सचिव अनिरुद्ध सौरभ ने व्यक्त किया। इस अवसर पर संरक्षक उमा निवास बाजपेई, संगठन सचिव मधुसूदन शुक्ल, संरक्षक पवन निगम, आलोक शुक्ल, राकेश द्विवेदी, अजय श्रीवास्तव, धर्मेंद्र शर्मा, ऋषभ श्रीवास्तव, नीरज सिंह, दीपेंद्र सिंह सहित कई गणमान्यजन उपस्थित रहे।

देसी शराब का तस्कर गिरफ्तार

आरोपी शराब के ठेके से पव्वे खरीदकर उन्हें अधिक कीमत पर बेचने का अवैध धंधा कर रहा था

संवाददाता

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में पुलिस ने देसी शराब की तस्करी करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी व्यक्ति ठेके से शराब खरीदकर अपने पास रख लेता था और फिर शराब की दुकानें बंद हो जाने के बाद उन्हें महंगे दामों में बेचा करता था। तस्कर के पास से पुलिस ने कई देसी शराब के पव्वे बरामद किए हैं, जिन्हें बेचने के लिए वह लेकर जा रहा था। आबकारी अधिनियम के तहत अब उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

सहारनपुर के सदर बाजार थाना क्षेत्र से पुलिस ने अजय नाम के एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है, जो कि एक थैले में महबूबा ब्रांड के 48 देसी शराब के पव्वे लेकर बेचने जा रहा था। तस्कर की पहचान अजय चौहान के तौर पर हुई है, जो कि कुतुबशेर थाना क्षेत्र के शारदा नगर इलाके का रहने वाला है। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति शराब की तस्करी कर रहा है। इस बात की जानकारी पुलिस टीम एक्टिव हो गई और उन्होंने तस्करों को गिरफ्तार करने के लिए फूलप्रूफ प्लान तैयार किया। इसके बाद कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अजय चौहान को रेलवे अंडरपास के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की पूछताछ में तस्कर अजय ने बताया कि मैं कम पढ़ा लिखा हूं और मजदूरी करता हूं। मेरे पास अक्सर पैसों की कमी रहती है। मैं अधिक पैसे कमाने के लिए ठेके से देसी शराब के पव्वे खरीदता था और फिर ठेके बंद हो जाने के बाद उन्हें महंगे दामों में बेचता था।

इस पूरे मामले में पुलिस का कहना है कि अवैध शराब की तस्करी के रोकथाम के खिलाफ जा रहे अभियान के तहत अजय नाम के एक युवक को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से महबूबा ब्रांड के 48 देसी पव्वे बरामद किए गए है। अजय के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

सोनम के घर से प्रेमी राज का रिश्ता, बराबर था आना-जाना.. पड़ोसियों ने कर दिया बड़ा खुलासा

संवाददाता

इंदौर । मध्य प्रदेश के इंदौर के रहने वाले राजा रघुवंशी की शिलॉन्ग में हत्या के मामले में अब एक और बड़ा खुलासा हुआ है। यह खुलासा पुलिस की तरफ से नहीं किया गया है लेकिन इससे शिलॉन्ग पुलिस की थियोरी को बल मिल रहा है। जी हां, राजा रघुवंशी की पत्नी सोनम के पड़ोसी ने बताया है कि सोनम के साथ शिलॉन्ग पुलिस ने जिस राज कुशवाहा नाम के शख्स का नाम जोड़ा है वह उनके घर पर आता-जाता रहता था। इतना ही नहीं जब राजा रघुवंशी का शव इंदौर लाया गया था उस दौरान राज ही सोनम के परिवार और पड़ोसियों को लेकर राजा के अंतिम संस्कार में गया था।

जी हां, शिलॉन्ग पुलिस के मुताबिक सोनम का राज कुशवाहा नाम के शख्स के साथ अफेयर चल रहा था। सोनम ने राज के साथ मिलकर ही पति राजा रघुवंशी की हत्या की साजिश रची है। हालांकि सोनम ने इससे कुछ अलग ही कहानी बयां की है। वहीं सोनम के पड़ोसी लक्ष्मण सिंह ठाकुर ने बताया है कि राज कुशवाहा सोनम के घर पहले भी कई बार आ चुका है। सोनम और उसके बीच के संबंधों के सवाल पर उन्होंने ज्यादा बात नहीं की लेकिन इस बात की पुष्टि की है कि उन्होंने पहले भी राज को कई बार उनके घर आते हुए देखा है।

2 मई को राजा रघुवंशी की लाश शिलॉन्ग में मिली थी जिसे उनके परिजनों ने उनके नाम के टैटू से पहचाना था। राजा की डेडबॉडी को

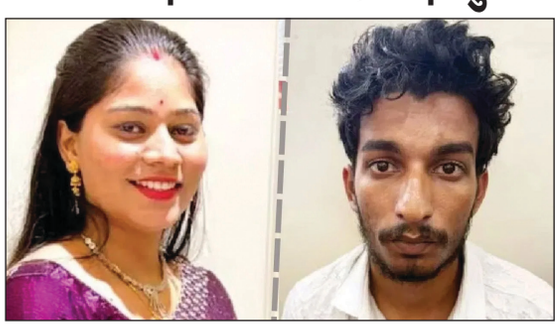

जब इंदौर लाया गया था तो सोनम के परिजन भी राजा के घर पहुंचे थे। उस दौरान वह पूरे अंतिम संस्कार में शामिल हुए और वापस आए थे। सोनम के परिवार के साथ उनके पड़ोसी भी गए थे। उन्ही में से एक थे लक्ष्मण सिंह ठाकुर। उन्होंने बताया कि राज कुशवाहा ही गाड़ी लेकर आया था और सोनम के परिवार के साथ राजा के घर गया था। इस दौरान वह भी गाड़ी में थे लेकिन उसके साथ उनकी कोई बातचीत नहीं हुई थी। सोनम के पड़ोसी लक्ष्मण सिंह ठाकुर ने शिलॉन्ग पुलिस की थ्योरी पर कहा है कि किसी से मिलने के बाद यह नहीं समझा जा सकता है कि उसने मन में क्या है? उन्होंने कहा कि पुलिस बोल रही है तो हो सकता है इस मामले में कुछ सच्चाई हो। हालांकि इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच में जो भी होगा वह सामने आ जाएगा।

पति-पत्नी के 34 विवादित जोड़े आपसी कलह भुलाकर साथ रहने को हुए राजी

डॉ अंशुमान अग्निहोत्री

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। जनपद में स्थित रिजर्व पुलिस लाइन के परिवार परामर्श केंद्र एवं विभिन्न थानों की महिला हेल्प डेस्क पर पति-पत्नी के बीच चल रहे विवादों को सुलझाने हेतु काउंसलिंग सत्र आयोजित किए गए। परामर्शदाताओं और महिला पुलिसकर्मियों की पहल से कुल 34 विवादित दंपति आपसी मतभेद भुलाकर साथ रहने को राजी हो गए। इनमें से परिवार परामर्श केंद्र से 8, महिला थाना से 6, थाना बांगरमऊ से 5, थाना सोहरामऊ से 4, तथा थाना गंगाघाट, बेहटा मुजावर व औरास से 3-3, माखी व सफीपुर से 1-1 दंपती शामिल रहे। इस पुनीत कार्य में परिवार परामर्श समिति प्रभारी शिल्पी श्रीवास्तव एवं सलाहकार संजय चौरसिया, स्वास्तिक मिश्रा, साबिहा उमर, मनीष सिंह सेंगर, राजेन्द्र सिंह सेंगर, तबस्सुम नफीस, डॉ. अबसार अली, डॉ. सगीर अहमद सहित परामर्श टीम का सराहनीय योगदान रहा। महिला हेल्प डेस्क प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमारी सिंह, महिला थाना प्रभारी निरीक्षक रेखा सिंह, उप निरीक्षक मिथलेश वर्मा, महिला मुख्य आरक्षी उपासना गुप्ता एवं महिला आरक्षीगण अंजुला, मीनू, प्रीती, संयोगिता, कीर्ति सिंह, अर्चना रानी, शीलू पाल, प्रीती चौहान, श्वेता, नीलम यादव, लक्ष्मी सिंह, पूजा चौधरी, प्रीती तोमर, शंकुतला, नीतू, तरुण रानी, नेहा शुक्ला व सेविका ने इस कार्य में विशेष सहयोग प्रदान किया। इस सामूहिक प्रयास से दर्जनों परिवार टूटने से बच गए और पति-पत्नी ने पारिवारिक समरसता के साथ जीवन यापन का संकल्प लिया।

किशनगंज रेलवे स्टेशन की लिफ्ट में फंसा परिवार

संवाददाता

किशनगंज। बिहार के रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिए लिफ्ट्स लगाई गई हैं। मगर बिजली जाने के बाद यह लिफ्ट्स भगवान भरोसे हैं। बिहार के किशनगंज रेलवे स्टेशन पर उस समय एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब बिजली जाने पर बंद होने वाली लिफ्ट में एक पूरा परिवार फंस गया। लिफ्ट प्लेटफार्म संख्या 2 की ओर आने व जाने वाले रास्ते में है। उस समय लिफ्ट में एक दंपति और उनके तीन छोटे बच्चे मौजूद थे। वह करीब आधेघंटे तक जीवन और मौत के बीच जूझते रहे। किशनगंज रेलवे स्टेशन पर एक परिवार कहीं जाने के लिए पहुंचा था। परिवार में पति-पत्नी और उनके बच्चे साथ ही उनके पास काफी अधिक सामान था। इसलिए उन्होंने प्लेटफार्म नंबर 2 की ओर जाने वाली लिफ्ट से ऊपर जाने का फैसला लिया। मगर ऊपर जाते वक्त अचानक बिजली कट गई और पूरा परिवार लिफ्ट के अंदर ही फंस गया। जिसके बाद दंपति दरवाजा को पीटने लगे, लेकिन आवाज अंदर ही दब गई। लिफ्ट में धीरे धीरे गर्मी और घुटन बढ़ने लगी और बच्चे रोने लगे।

अंदर फसे दंपति ने अपने ट्राली बैग से ऊपर छत दरवाजे को तोड़ने का प्रयास किया, मगर वे सफल नहीं हुए। वही गर्मी के वजह से धीरे-धीरे बच्चों का धैर्य जवाब देने लगा। जिसके बाद दंपति ने अपने रिश्तेदारों को फोन करना शुरू किया और घटना की जानकारी दी। इसके बाद रिश्तेदारों ने रेलवे स्टेशन के पास रहने वाले अपने जानकारों को फोन करना शुरू किया। जिसके बाद कुछ लोग भागे-भागे रेलवे स्टेशन पहुंचे और हंगामा करने लगे। परिजन ने स्टेशन मास्टर को इसकी जानकारी दी। वहीं, 5 लोगों के लिफ्ट में फंसे होने की बात सुनकर स्टेशन मास्टर के हाथ पांव फूल गए। करीब 30 मिनट बाद अथक प्रयास से लिफ्ट को खोला गया और फिर एक-एक कर सभी को बाहर निकाला गया। घटना को लेकर स्टेशन प्रबंधक दीपक कुमार ने बताया कि जैसे ही उन्हें सूचना मिली, उन्होंने तुरंत इलेक्ट्रिक फोरमैन को मौके पर भेजा और सभी को निकलवाया। उन्होंने बताया कि लिफ्ट अभी सिर्फ बिजली से चल रही है, भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए रेलवे ने एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट वालों से बात की है और ऑटोमैटिक रिलीज जैसी तकनीक की व्यवस्था पर विचार किया जा रहा है। वहीं समय से लिफ्ट नहीं खोली जाती तो एक बड़ी घटना घटित हो सकती थी। हालांकि, जानकारी मिलने के बाद रेलवे ने त्वरित कार्रवाई कर स्थिति को संभाल लिया। भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हो इसको लेकर तत्काल कोई उपाय की अपील लोगों ने की है।

11 साल छोटा बॉयफ्रेंड, 2 बच्चों की मां से इश्क और फिर...

संवाददाता

बेंगलुरु। पहले इश्क, फिर बेवफाई और खूनी खेलङ्घ ये कहानी कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु की है। यहां एक दो बच्चों की मां की उसके 11 साल छोटे बॉयफ्रेंड ने चाकू से गोदकर हत्या कर दी। बॉयफ्रेंड सॉफ्टवेयर इंजीनियर है और महिला से 11 साल छोटा है। महिला कई दिनों से उससे बात नहीं कर रही थी। इसी बात से वह नाराज था। एक दिन महिला ने उसे फोन किया। दोनों में बाचतीच हुई। फिर ड ड होटल में मिलने पहुंच गए। ये मुलाकात महिला के लिए भयावह साबित हुई। बॉयफ्रेंड ने पहले तो उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। फिर उसके शरीर में 17 बार चाकू गोदा। होटल के ही कमरे में खून से लथपथ महिला की लाश मिली।

मृतका का नाम हरिनी (33) है और आरोपी की पहचान सॉफ्टवेयर इंजीनियर यशस के रूप में हुई। दोनों बेंगलुरु के पश्चिमी उपनगर केंगेरी के निवासी थे। पुलिस ने बताया कि पूर्णा प्रजना लेआउट स्थित एक ड ड होटल के कमरे 25 वर्षीय यशस ने अपनी प्रेमिका हरिनी की हत्या कर दी। यशस ने हरिनी को मिलने के लिए ओयो होटल में बुलाया था। वहां रिश्ता खत्म करने की बात को लेकर दोनों में झगड़ा हो गया। इसके बाद यशस ने 17 बार चाकू घोंपकर हरिनी की हत्या कर दी।

ये घटना 6 जून की रात को हुई, लेकिन इसका खुलासा दो दिन बाद 8 जून को हुआ। इस मामले में सुब्रमण्यपुरा पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया। पुलिस आरोपी बॉयफ्रेंड की तलाश में जुट गई। आज यानि 9 जून को पुलिस ने कातिल बॉयफ्रेंड यशस को गिरफ्तार कर लिया। यशस ने बताया कि हरिनी से उसकी मुलाकात एक मेले में हुई थी। वहीं पर उसका नंबर हासिल किया। बाद में वह दोस्त बन गए। चैटिंग, डेटिंग और घूमना-फिरना शुरू कर दिया।

इसी बीच हरिनी के पति दासेगौड़ा को पत्नी के अवैध संबंधों के बारे में पता चला। दासेगौड़ा ने हरिनी का फोन छीन लिया और उसे घर में बंद कर दिया। यशस ने बताया कि हरिनी के अचानक से लापता होने से वह परेशान हो गया। उसने कई बार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। यशस ने कहा कि उसे लगा कि हरिनी उससे पीछा छुड़ाना चाहती है। इस बात से वह इतना खफा हो गया कि हरिनी को रास्ते से हटाने की सोच ली। इसके लिए उसने एक चाकू भी खरीदा। बस इंतजार था तो मौके का।

कुछ महीनों बाद हरिनी ने ही उससे फोन पर संपर्क किया। 6 जून को दोनों बातचीत करने के बाद एक ओयो होटल में गए थे। यशस ने कहा कि पहले तो होटल में दोनों के बीच संबंध बना। फिर हरिनी उससे कभी न मिलने को कहने लगी। रिश्ता खत्म करने की बात को लेकर दोनों में झगड़ा हो गया। इसके बाद उसने गुस्से में 17 बार चाकू घोंपकर हरिनी की हत्या कर दी। DCP साउथ लोकेश जगलासर ने बताया कि 6-7 जून को सुब्रमण्यपुरा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक 33 वर्षीय महिला की उसके एक करीबी दोस्त ने हत्या कर दी। आरोपी और मृत महिला एक-दूसरे को लगभग एक साल से जानते थे।

शराब तस्कर को छुड़ाने थाने गए, खुद नशे में धुत मिले, पुलिस ने कहा- अब जेल में दोस्ती निभाएं

संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार में शराबबंदी के बावजूद शराब माफिया और रसूखदार की सांठगांठ एक बार फिर उजागर हुई है। बरियारपुर थाने की पुलिस ने कटेशर इलाके में छापेमारी कर अवैध शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। तस्कर की पहचान शिव शंकर सिंह के रूप में हुई। जब इसकी जानकारी इलाके के मुखिया पति को हुई, जो एक सरकारी टीचर हैं तो वह भी थाने पहुंच गए। हैरान करने वाली बात यह है कि मुखिया पति नशे में धुत थे। यह देख पति ने उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया।

बता दें कि बरियारपुर थानाध्यक्ष चांदनी कुमारी सांवरिया को गुप्त सूचना मिली थी कि कटेसर पंचायत का रहने वाला शिवशंकर सिंह अपने घर में भारी मात्रा में विदेशी शराब छिपा कर रखे हुए है। पुलिस ने सूचना के आधार पर छापेमारी की और मौके से पांच कार्टन शराब बरामद की। पुलिस शिव शंकर सिंह को गिरफ्तार कर थाने ले लाई। शिव शंकर सिंह की गिरफ्तारी की बात क्षेत्र में आग की तरह फैल गई।

इसी बीच जानकारी मिलते ही कटेशर पंचायत के मुखिया पति और सरकारी शिक्षक संजीत राय शिव शंकर सिंह की पैरवी करने थाने पहुंच गए। हैरान करने वाली बात यह रही कि मुखिया पति संजीत राय नशे की हालत में थाने पहुंच गए। मुखिया पति होने का धौंस जमाते हुए वह मैनेज करने का पुलिस पर दबाव देने लगे। मुंह से शराब की दुर्गंध आने के बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। ब्रेथ एनालाइजर से जांच में शराब पीने की पुष्टि होने के बाद मुखिया पति को गिरफ्तार कर लिया।

जांच के बाद पुलिस ने बताया कि मुखिया पति सरकारी विद्यालय में शिक्षक भी हैं। शिक्षा विभाग को भी इस संबंध में पत्राचार किया जाएगा। वहीं, शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पत्र आने के बाद निलंबन की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि तस्कर के साथ मुखिया पति के भी पूर्व का रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। मामले में थानाध्यक्ष चांदनी कुमारी सांवरिया ने बताया कि दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। दोनों को न्यायिक हिरासत में भेजने की तैयारी की जा रही है।

लाउडस्पीकर बजाने से मना करने पर भीड़ ने पुलिस अफसर को पीटा, वर्दी फाड़ी, हाथ में फ्रैक्चर

संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के संगम विहार इलाके में एक धार्मिक सभा में लाउडस्पीकर बजाने से मना करने पर एक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) को लोगों के समूह ने पीट दिया। इतना ही नहीं उनकी वर्दी भी फाड़ डाली। इस घटना में घायल पुलिस अफसर की कलाई में फ्रैक्चर हो गया है। ये घटना 4 जून की रात को हुई, जब आपातकालीन ड्यूटी पर तैनात एएसआई ने लाउडस्पीकर के इस्तेमाल को रोकने की बात कही। इस घटना में शामिल आरोपियों की पहचान करके उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, 4 जून की रात करीब 11.30 बजे एएसआई को एक आपातकालीन कॉल आई, जिसमें देर रात लाउडस्पीकर के इस्तेमाल की बात कही गई। जब पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे, तो वहां गली नंबर 1, चार चौक के पास करीब 200 लोग एक धार्मिक सभा में शामिल थे। उन्होंने आयोजकों को बताया कि लाउडस्पीकर बजाने का समय रात 10 बजे तक निर्धारित है। अब समय 11.30 हो चुका है, इसलिए लाउडस्पीकर बंद कर दिया जाए। लेकिन आयोजकों ने मानने से इनकार कर दिया। दोनों पक्षों में बहस हो गई, जो बहुत जल्द बवाल में तब्दील हो गई। लोगों के समूह ने पुलिस अफसर पर हमला कर दिया। जब एएसआई ने हालात बिगड़ते देखे, तो उन्होंने तुरंत 112 पर कॉल करने की कोशिश की, लेकिन किसी वजह से संपर्क नहीं हो पाया। इसके बाद उन्होंने अपने उच्चाधिकारी को सूचित किया। उन्होंने तुरंत लाउडस्पीकर और एम्पलीफायर जब्त करने का निर्देश दिया। इसके बाद एएसआई जैसे ही लाउडस्पीकर जब्त करने बढ़े, तो वहां मौजूद 20-25 लोगों ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया। उनके साथ मारपीट शुरू कर दी गई। इस हाथापाई के दौरान एक भारी एम्पलीफायर उनके हाथ पर जोर से लगा, जिससे उनकी कलाई टूट गई। हमलावरों ने उनकी वर्दी भी फाड़ दी और मौके से भाग निकले। घायल एएसआई को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। मेडिकल जांच में पता चला कि उनके हाथ की कलाई में फ्रैक्चर है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। इस घटना में शामिल हमलावरों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल वीडियो और स्थानीय चश्मदीदों से पूछताछ की जा रही है।

बताते चलें कि अप्रैल में दिल्ली के आदर्श नगर में दिल्ली पुलिस के एक जवान पर हमलावरों ने चाकू से हमला कर दिया था। इसके बाद उनको आनन-फानन में शालीमार बाग स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी पहचान प्रेमपाल के रूप में हुई। हमलावरों ने पुलिसकर्मी पर हमला क्यों किया, इस बात का उस वक्त तक पता नहीं चल पाया था। इस मामले में स्थानीय थाने में केस दर्ज करने के बाद आरोपियों की तलाश के लिए एक पुलिस टीम गठित की गई थी।

मालिक, प्रकाशक व मुद्रक सुनील कुमार तिवारी द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट नं. ०४, ग्राउंड फ्लोर. एन.के.इंडस्ट्रीयल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नियर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं ०२, गोरेगांव (पूर्व) मुंबई-४०००६३ से मुद्रित व ६१७, बिल्डिंग नं.१४ नियर शिव शक्ति बिल्डिंग, गोलीबार रोड, सान्ताक्रुज़ (पूर्व) मुंबई-४०००५५ से प्रकाशित। संपादक : सुनील कुमार तिवारी, RNI. NO. MAHMUL/2017/74054, Mob.8898271111 • संपादकीय कार्यालय- कंटेश्वर सिंह चाल, अपोजीट एकताड़ मंडल, साई बाबा रोड, खार (पूर्व), मुंबई- 400051,